दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 245 | भोपाल, शुक्रवार 19 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

माइनिंग सेक्टर में आया 56 हजार करोड़ का निवेश, अब कटनी बनेगा कनकपुरी

कटनी पूरे देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाला है प्रमुख जिला: मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने कटनी जिले को दी लगभग 233 करोड़ लागत के विकास कार्यों की सौगात
- बड़वारा से सांदीपनि विद्यालयों सहित विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है। बदलते दौर में दुनिया के मंचों पर मोदी का सम्मान प्रत्येक देशवासी का सम्मान है। देश तीसरी सबसे सशक्त अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 75 वें जन्मदिवस पर बुधवार को जनजातीय अंचल धार में पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास कर प्रदेशवासियों को अनुपम सौगात दी है। इससे 6 लाख कपास उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। लगभग 3 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसी क्रम में आज कटनी के जनजातीय क्षेत्र को 233 करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जीवन का एक-एक दिन देशवासियों की सेवा को समर्पित कर दिया है। उनके जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आगामी 2 अक्टूबर तक देशभर में सेवा पखवाड़ा चल रहा है। प्रदेश की सभी माताएं-बहनें अपने लिए थोड़ा समय निकालें और स्वास्थ्य शिविरों में अपनी जांच कराएं। यहां महंगी से महंगी जांच, दवाएं और इलाज नि:शुल्क होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को कटनी के बड़वारा में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पिछले दिनों माइनिंग कॉन्क्लेव के माध्यम से कटनी जिले में 56 हजार करोड़ रुपए का निवेश आया है। यहां व्यापार-व्यवसाय की संभावनाएं बन रही है, जिससे गरीब, युवा और किसानों की जिंदगी बदलेगी। कटनी में कोयला, लाइमस्टोन और क्रिटिकल मिनरल्स का भंडार है। अब तो यहां सोना भी मिलने वाला है। कटनी कनकपुरी बनेगा। साथ ही प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पन्ना में हीरा तो पहले ही मिल रहा है। यह पूरा क्षेत्र विकास की नई इबारत लिखेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार ने पीपीपी मॉडल पर प्रदेश में 4 नए मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए स्वीकृति दी है, इनमें से एक कटनी में बनेगा और शीघ्र ही जिले को मेडिकल कॉलेज की सौगात भी मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक गरीब परिवार से निकला व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बना है। प्रधानमंत्री मोदी गरीबों की परेशानी को अच्छी तरह समझते हैं। राजा श्रीराम के शासन में गरीबों को निःशुल्क राशन बांटा जाता था वैसे ही आज प्रधानमंत्री मोदी देशभर के 85 करोड़ जरूरतमंदों को कोरोनाकाल से राशन उपलब्ध करा रहे हैं।

सांदीपनि विद्यालयों का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी में 2 सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण कर विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों के भवन और सुविधाएं देखकर प्राइवेट स्कूल वाले भी दंग रह जाते हैं। देश के किसी राज्य में इतने अच्छे स्कूल नहीं बने जैसे सांदीपनि विद्यालय मध्यप्रदेश में बने हैं।

पहले स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कल्पना करना भी मुश्किल था, अब बड़वारा में दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों की तरह स्कूल बनकर तैयार हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थी सांदीपनि आश्रम से शुरू हुई भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता का अनुसरण करें। मुख्यगमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय मांग पर दतला एवं सागौना जलाशय नहर के मरम्मत एवं गहरीकरण, बेलकुंड नदी पर स्थित गर्रा घाट पुल की ऊँचाई बढ़ाने के साथ ही खरहटा महानदी के जल लिफ्ट इरीगेशन के कार्यों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में हितलाभ वितरित किये। उन्होंने कहा कि कटनी की जनता अपनी क्षमता और योग्यता के बल पर आगे बढ़े और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छोटे दुकानदार और व्यापारियों को प्रोत्साहन देने का नागरिकों से आहवान किया। उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए स्वदेशी को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। देश का पैसा देश में रहे, इसके लिए नवरात्रि, दशहरा, दिवाली की खरीदारी में स्वदेशी को अपनाएं। बदलते दौर में भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश बनाना है। उन्होंने कहा कि माताएं-बहनें नवदुर्गा के समान हैं। राज्य सरकार लाड़ली बहनों को दीपावली के बाद हर महीने 1500 रुपए राशि देगी। धीरे-धीरे इसे 3000 तक लेकर जाएंगे। स्कूल शिक्षा एवं प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आज बड़वारा को बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए सांदीपनि स्कूल का तोहफा मिला है।

संक्षिप्त खबरें

माता वैष्णो देवी यात्रा फिर शुरू, सुरक्षा का रखा जा रहा विशेष ध्यान

जम्मू एजेंसी। माता वैष्णो देवी यात्रा गुरुवार से यात्रा फिर शुरू हो गई है। मौसम सही होने के बाद यात्रा शुरू करने का फैसला लिया गया है। वहीं, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखा गया है। एक्स पर पोस्ट करते हुए श्राइन बोर्ड ने लिखा- माता वैष्णो देवी यात्रा आज फिर से शुरू हुई। तीर्थयात्रा पंजीकरण काउंटर गुरुवार सुबह 4 बजे फिर से शुरू हो गया है, जिसे खराब मौसम के कारण बंद कर दिया गया था। इससे पहले लगातार भारी बारिश होने के चलते 14 सितंबर से शुरू होने वाली यात्रा को स्थगित कर दिया गया था। यह जानकारी श्राइन बोर्ड ने अपने आधिकारिक एक्स पर दी। बोर्ड ने लिखा था- भवन और यात्रा मार्ग पर लगातार हो रही बारिश के कारण 14 सितंबर से शुरू होने वाली माता वैष्णो देवी यात्रा अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई है।

पर्सनैलिटी राइट्स मामले में फिल्म निर्माता करण जौहर को मिली राहत

नई दिल्ली एजेंसी। बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर को पर्सनैलिटी राइट्स मामले में जीत मिली है। अब बिना उनकी अनुमति के कोई भी उनका नाम, आवाज या फोटो का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। करण जौहर ने पर्सनैलिटी राइट्स यानी व्यक्तित्व अधिकार की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके पक्ष में अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला पहली बार 15 सितंबर को कोर्ट में लाया गया था, जब न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा ने कहा था कि वह करण जौहर द्वारा उठाए गए कई मुद्दों की सुनवाई करेंगी। इनमें उनके नाम और फोटो का इस्तेमाल करके सामान बेचना, फर्जी प्रोफाइल, डोमेन नाम का दुरुपयोग और अश्लील सामग्री शामिल थी।

उत्तरप्रदेश पुलिस को गैंगस्टर का चैलेंज, हम बदला लेंगे

- दिशा पाटनी के घर फायरिंग में शूटरों के ढेर होने पर बौखलाया

एजेंसी | बरेली

उत्तर प्रदेश के बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो शूटरों के एनकाउंटर के बाद गैंग लीडर रोहित गोदारा ने यूपी पुलिस को धमकी दी है। गुरुवार को उसने फेसबुक पर लिखा- हमारे जो दो शूटर्स मारे गए हैं, हम इसका बदला लेंगे। ये एनकाउंटर हमारे जीवन की बहुत बड़ी क्षति है।

ये ढेर नहीं, शहीद हुए हैं। हम वो काम कर सकते हैं, जिसकी ये कल्पना भी नहीं कर सकते। इसमें जिसका भी हाथ है, वो चाहे कितना भी पैसे वाला हो या पावर वाला हो, वक्त लग सकता है। माफी नहीं है।

दरअसल, 11 और 12 सितंबर को बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग हुई थी। इस मामले में यूपी एसटीएफ ने हरियाणा और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर बुधवार शाम को गाजियाबाद में दो शूटरों को एनकाउंटर में मार गिराया। इनकी पहचान हरियाणा निवासी अरुण और रविंद्र के रूप में हुई थी। मारे गए रविंद्र और अरुण दोनों पेशेवर शूटर थे। रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के गैंग के सदस्य थे। दोनों पर एक-एक लाख का इनाम था। इसके अलावा, 11 सितंबर को फायरिंग करने वाले शूटर बागपत निवासी नकुल और विजय अभी फरार हैं।

एशिया कप में सुपर-4 की दो टीमें फाइनल

21 सितंबर को फिर भिड़ेंगी भारत-पाकिस्तान की टीमें

एजेंसी | नई दिल्ली

एशिया कप में बुधवार को पाकिस्तान ने यूएई को हरा दिया। इसी के साथ यह भी तय हो गया कि टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान एक बार फिर 21 सितंबर को एक-दूसरे का सामना करेंगे। ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को आसानी से 7 विकेट से हरा दिया था।

भारत-पाक मैच 21 सितंबर को ही क्यों?

टूर्नामेंट से पहले ही एशियन क्रिकेट काउंसिल ने सुपर-4 स्टेज का शेड्यूल भी बना लिया था। इसमें ग्रुप-ए से क्वालिफाई करने वालीं 2 टीमों को ए1 और ए2 नाम दिया गया। वहीं ग्रुप-बी से क्वालिफाई करने वालीं टीमों को ए1 और ए2 नाम दिया गया। शेड्यूल के मुताबिक ए1 और ए2 के बीच 21 सितंबर को दुबई में मैच खेला जाना है। इस तरह ग्रुप-ए की टीमें भारत और पाकिस्तान रविवार को एक बार फिर महामुकाबले में एक-दूसरे का सामना करेंगी। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का मैच टीम इंडिया ने आसानी से 7 विकेट से जीत लिया था।

मैच के बाद और टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। जिसके बाद सलमान आगा ने मैच के बाद इंटरव्यू देने से मना कर दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाथ नहीं मिलाने के मामले को खेल भावना के खिलाफ बताया। बोर्ड ने आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग भी की, लेकिन आईसीसी ने इसे ठुकरा दिया। पूरे विवाद के बाद अब पाकिस्तान टीम फिर एक बार इसी टूर्नामेंट में भारत का सामना करेगी।

मध्यप्रदेश में मौसम | अगले चार दिन हैवी रेन का अलर्ट नहीं

शिप्रा किनारे के मंदिरों में पानी घुसा

भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत कई जिलों में बारिश

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश में गुरुवार को हल्की बारिश का दौर जारी रहा। छतरपुर के खजुराहो में 1 इंच से ज्यादा बारिश हो गई, जबकि ग्वालियर में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा। भोपाल, जबलपुर, दतिया, इंदौर, श्योपुर, उज्जैन, मंडला, रीवा, टीकमगढ़, उमरिया और बालाघाट में भी हल्की बारिश हुई। राजगढ़ और श्योपुर में तेज बारिश हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून की विदाई के दौरान भी पूरे प्रदेश में तेज बारिश का एक और दौर शुरू हो सकता है। हालांकि, 4 दिन तक तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। भोपाल, जबलपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है। इस मानसूनी सीजन में औसत 42.7 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य कोटे से 7 इंच ज्यादा है।

उज्जैन में रामघाट के मंदिरों में घुसा पानी

इससे पहले भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर और नर्मदापुरम समेत 25 जिलों में बुधवार शाम से देर रात तक गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। भोपाल में कुछ सड़कों पर जाम लग गया।

इंदौर में एक 8 साल के बच्चे की नाले में बहने से मौत हो गई। उज्जैन में शिप्रा में बाढ़ से रामघाट के मंदिरों में पानी घुस गया। बैतूल के मुलताई में लोगों के घरों में पानी भर गया। सिवनी में संजय सरोवर बांध के 4 गेट खोल दिए गए। भोपाल में सबसे ज्यादा ढाई इंच पानी गिर गया। शाजापुर में 2.1 इंच, इंदौर में 2 इंच, उमरिया में 1.9 इंच, उज्जैन-सिवनी में 1.8 इंच, रीवा में 1.6 इंच, टीकमगढ़ में 1.3 इंच बारिश दर्ज की गई। उत्तराखंड में देहरादून के बाद अब चमोली जिले में बुधवार देर रात लगभग 2.30 बजे नंदानगर क्षेत्र के फाली कुंतरी, सैंती कुंतरी, भैंसवाड़ा और धुर्मा गांवों के ऊपर पहाड़ी पर बादल फटने से भारी तबाही मच गई। कम से कम 10 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

इंदौर में नाले में बहे बच्चे का शव मिला

इंदौर में बुधवार रात ओमेक्स सिटी के पास नाले में 8 साल का बच्चा बह गया। मायाखेड़ी में रहने वाले राजपाल मालवीय अपने बेटे राजवीर को घर के पास एक ओटले पर छोड़कर थोड़ी दूर वाहन खड़ा करने गए थे। 10 मिनट बाद लौटे, तो राजवीर वहां नहीं था।

सीजन में चौथी बार खुले भदभदा डैम के गेट

भोपाल में शाम 7.30 बजे से रात 11.30 बजे तक सिर्फ 4 घंटे में लगभग ढाई इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। बड़ा तालाब एक बार फिर लबालब भर गया, जिससे रात में भदभदा डैम का एक गेट खोलकर पानी की निकासी करनी पड़ी। इस मानसून सीजन में चौथी बार डैम का गेट खोला गया है।

मालेगांव बम ब्लास्ट केस : सातों आरोपियों को कोर्ट का नोटिस

फिर होगी सुनवाई: एनआईए स्पेशल कोर्ट के फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में दी चुनौती

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

साल 2008 के मालेगांव बम ब्लास्ट केस में एनआईए की स्पेशल कोर्ट के फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। एनआईए कोर्ट ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया था। इसको लेकर धमाके से प्रभावित परिवारों की याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित सभी सातों आरोपियों को नोटिस जारी किया है।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंकलद की बेंच ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी और महाराष्ट्र सरकार को भी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने

इस मामले की सुनवाई 6 सप्ताह बाद तय की है। बता दें कि बॉम्बे हाईकोर्ट में पिछले हफ्ते एक अपील दायर की गई थी। अपील में दावा किया गया कि दोषपूर्ण जांच या जांच में कुछ खामियां आरोपियों को बरी करने का आधार नहीं हो सकतीं। इसके साथ ही दलील दी गई कि विस्फोट की साजिश गुप्त रूप से रची गई थी, इसलिए इसका प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हो सकता है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि एनआईए की स्पेशल कोर्ट का 31 जुलाई को सात आरोपियों को बरी करने का आदेश गलत और कानूनी रूप से अनुचित था और इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।

ईडी ने फेमा उल्लंघन के मामले में जिंदल ग्रुप के 13 ठिकानों पर मारे छापे

एजेंसी | नई दिल्ली

ईडी ने दिल्ली-एनसीआर समेत 13 ठिकानों पर छापे मारे हैं। ईडी की छापेमारी में बी सी जिंदल ग्रुप, उसके डायरेक्टर्स और अधिकारियों के ठिकानों पर छापे मारी की है। बता दें फेमा उल्लंघन के मामले में जिंदल इंडिया थर्मल पावर लिमिटेड और जिंदल इंडिया पावरटेक लिमिटेड की विदेशी निवेश और फंड पार्किंग की जांच जारी है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि ईडी कंपनी की समूह इकाइयों, जैसे जिंदल इंडिया थर्मल पावर लिमिटेड और जिंदल इंडिया पावरटेक लिमिटेड, द्वारा अपने विदेशी निवेश और अपनी विदेशी इकाइयों में धन जमा करने के लिए संदिग्ध फेमा उल्लंघनों की जांच कर रहा है। इस

व्यावसायिक समूह का वार्षिक कारोबार 18,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है और यह बिजली क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी है। रिपोर्ट के मुताबिक बिना अनुमति के विदेश में पैसा भेजना या लाना, विदेशी मुद्रा का गलत इस्तेमाल करना, फेमा उल्लंघन होता है। फेमा उल्लंघन का मतलब है फेमा विवोलेशन, यहां फेमा से मतलब है फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, जो भारत में विदेशी मुद्रा लेनदेन को नियंत्रित करता है। फेमा उल्लंघन का मतलब है कि कोई व्यक्ति या संस्था इस कानून के तहत निर्धारित नियमों का पालन नहीं कर रही है।

भारत-अमेरिका | 'टैरिफ बम' विवाद के बाद अब ट्रंप प्रशासन ने एक और कड़ा कदम उठाया

भारत के कई अधिकारियों और कारोबारी नेताओं के वीजा कर दिए रद्द

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में 'टैरिफ बम' विवाद के बाद अब ट्रंप प्रशासन ने एक और कड़ा कदम उठा लिया है। इस बार निशाने पर आए हैं भारत के कुछ अधिकारी और कॉर्पोरेट लीडर्स। अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को जानकारी दी कि इन लोगों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। वजह—उन पर फेंटेनाइल प्रीकर्सर की तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं। दिल्ली

स्थित अमेरिकी दूतावास के एक अधिकारी ने कहा कि हाल के महीनों में लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि भारत से जुड़े कुछ अधिकारी और कारोबारी खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स की आपूर्ति में शामिल हैं। दूतावास ने साफ किया कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए वीजा रद्द करने का यह कठोर कदम उठाना पड़ा। दूतावास ने बताया कि अब से ड्रग तस्करी से जुड़ी कंपनियों के किसी भी अधिकारी को अमेरिकी वीजा के लिए आवेदन करते समय 'रेड फ्लैग' के तहत चिह्नित किया जाएगा। इसका मतलब है कि ऐसे आवेदनों पर विशेष जांच होगी और जरा भी संदिग्ध पाए जाने पर वीजा मंजूर नहीं होगा।

दूसरी बार लगा वीजा प्रतिबंध

गौरतलब है कि 2025 में यह दूसरा मौका है जब अमेरिका ने भारतीय नागरिकों के खिलाफ वीजा रद्ध की कार्रवाई की है। इससे पहले मई में अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत की कई ट्रैवल एजेंसियों और उनके अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगाए थे। तब उन पर आरोप था कि वे अमेरिका में अवैध आव्रजन को बढ़ावा दे रहे हैं।

क्या कहता है अमेरिकी कानून?

अमेरिकी दूतावास के अनुसार यह कार्रवाई आव्रजन नीति एवं राष्ट्रीयता की विभिन्न धाराओं के तहत की गई है। इन प्रावधानों के तहत किसी भी व्यक्ति पर आपराधिक गतिविधि, विशेषकर ड्रग तस्करी, का संदेह होने पर उसके वीजा रद्द किए जा सकते हैं। इतना ही नहीं, दोषी के करीबी परिजनों पर भी अमेरिका की यात्रा करने पर रोक लग सकती है।

इंदौर में दो भाई-बहन समेत 3 बच्चे गड्ढे में डूबे

परिजन ढूंढते हुए पहुंचे तो बाहर कपड़े पड़े देखे

नगर प्रतिनिधि | इंदौर

इंदौर में गड्ढे में नहाने उतरे तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। तीनों बच्चे खेलते-खेलते वहां पहुंचे थे। काफी देर तक होने पर नहीं लौटे तो परिवार वालों ने तलाश की। ग्रामीण भी उन्हें ढूंढते हुए गड्ढे के पास पहुंचे। यहां उनके कपड़े पड़े देखे। घटना खुड़ैल के बढ़िया कामा इलाके की है। ग्रामीणों ने गड्ढे में उतरकर दो बच्चों को बाहर निकाला। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। 2 घंटे बाद तीसरे बच्चे को बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान विपिन पिता हेमंत अहिरवार, प्रियांश और गुनगुन पिता कप्तान अहिरवार के रूप में हुई।

तालाब के लिए खोदा गया था गड्ढा

पुलिस के मुताबिक घटना बढ़िया कीमा इलाके की है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही यहां तालाब का निर्माण कराया गया था। राहुल नाम के व्यक्ति ने कुछ दिन पहले पानी के लिए गड्ढा खुदवाया था। बुधवार को हुई बारिश से इसमें पानी भर गया था।

संपाकीय

विकसित देश में भी सरकार की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी आम जनता

यह विचित्र है कि फ्रांस जैसे विकसित देश में भी सरकार की वैसी नीतियों के खिलाफ आम जनता को सड़क पर उतरने की जरूरत पड़ रही है, जिसमें आरोप के मुताबकि, लोगों के जीवन को बेहतर करने के लिए कुछ भी नहीं किया गया। गौरतलब है कि राजनीतिक अस्थिरता को झेलते फ्रांस में बजट कटौती को लेकर पहले ही विरोध का माहौल बना हुआ था। ऐसे में दो राष्ट्रीय छुट्टी को रद्द करने, 2026 में पेंशन पर रोक लगाने और स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च में अरबों डालर की कटौती करने जैसे प्रस्तावों ने लोगों के भीतर व्यापक आक्रोश पैदा किया।इन सबको फ्रांस के लोग कार्य-संस्कृति और सेहत के मुद्दे के साथ खिलवाड़ के तौर पर देख रहे हैं और सरकार की ओर से मिलने वाली सेवाओं से वंचित करने का आरोप लगा रहे हैं। बीते कुछ वर्षों के दौरान फ्रांस में अलग-अलग मुद्दों पर जिस तरह जनाक्रोश और व्यापक पैमाने पर हिंसक विरोध प्रदर्शन देखे गए, एक तरह से उसी की अगली कड़ी की तरह इस बार भी 'सब कुछ रोक दो' के नारे के तहत भारी संख्या में लोगों का सड़कों पर उतर आना कोई हैरानी की बात नहीं है।यह समझना मुश्किल है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपनी सरकार के खिलाफ बार-बार आंदोलन की वजहों पर विचार करने की जरूरत क्यों नहीं महसूस हो रही। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि फ्रांस में लोगों का गुस्सा इस कदर भड़क गया है और सड़कों पर हिंसक प्रदर्शन दिख रहे हैं। इससे पहले भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान कई ऐसे मौके आए, जब सरकार के नीतिगत फैसलों के जनता पर पड़ने वाले विपरीत असर के मद्देनजर वहां व्यापक जनाक्रोश उभरा और नतीजतन भारी पैमाने पर हिंसा देखी गई।पेंशन मिलने की उम्र बढ़ाने, ईंधन की कीमत में बढ़ोतरी, लैंगिक समानता और महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने जैसे मुद्दों पर भी वहां कई बार आंदोलन हुए हैं। विडंबना यह है कि बार-बार लोगों के विरोध और उसकी व्यापकता के बावजूद फ्रांस की सरकार को शायद इस बात पर चिंता करने की जरूरत नहीं लग रही कि आखिर नीतियां बनाने या कोई नीतिगत फैसले लेने में उससे कौन-सी चूक हो रही है, जिससे लोगों के बीच नाराजगी फैलती है।

साल 1978 में नरेंद्र मोदी को संघ ने विभाग प्रचारक बनाया, फिर उन्हें सूरत और बड़ौदा विभाग का संघ प्रभारी बनाया गया। 1981 में, उन्हें प्रांत प्रचारक का दायित्व मिला। प्रांत प्रचारक रहते हुए उन्होंने गुजरात में संघ को प्रतिष्ठित करने में बड़ी भूमिक निभाई।अक्टूबर 2001 का पहला सप्ताह दिल्ली की फिजाओं में शाम के वक्त गुलाबी सर्दी ने दस्तक देनी शुरू कर दी थी..संसद से कुछ ही दूरी पर स्थित रफी मार्ग की आईएनएस बिल्डिंग के सामने संजय की चाय का ठीया रोजाना की तरह गुलजार था..देशभर के अखबारों और टीवी चैनलों के रिपोर्टरों की शाम की चाय की चुस्कियों के साथ यहीं गुजरती थी..इन चुस्कियों के बीच से ही खबरें भी छनकर आती थीं...इसी बीच बीजेपी कवर करने वाला एक पत्रकार सड़क पारकर आता दिखा..आते ही उसने पहले से उपस्थित लोगों के सामने एक प्रश्न उछाल दिया

इंतजार करना मनस्थिति- प्रतीक्षा में लोग जीवन निकाल देते हैं

स्वयं को समझने का सूत्र अपनाएं

(उमेश चतुर्वेदी)

'कुछ पता चला?'

कुछ रिपोर्टरों और तब के दिग्गज संपादकों ने उस रिपोर्टर को उलाहना दिया..

'पता तो चलता रहेगा. पहले चाय तो पियो।'

तब तक चाय का कागजी कप आ चुका था..उस पत्रकार ने कप पकड़ा और चालू हो गया,

'कंन्फर्म नहीं हूं. लेकिन खबर है कि मोदी गुजरात जा रहे हैं.'

एक पत्रकार ने उसका मजाक उड़ाया,

'मोदी गुजरात के हैं तो गुजरात जाएंगे ही. इसमें नया क्या है?'

'जाना कोई बात नहीं. वह मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं'

'ऐसा हो ही नहीं सकता.'

ज्यादातर पत्रकारों की पहली प्रतिक्रिया यही थी..

कुछ ने तो मुंह भी बनाए..

लेकिन उस पत्रकार की खबर सही थी..

मुंह बिचकाने और इसे असंभव मानने वाले पत्रकारों की भी सोच अपनी जगह सही थी..नरेंद्र मोदी उन दिनों भारतीय जनता पार्टी के महासचिव भले ही थे, लेकिन उनके पास ना तो चुनाव लड़ने का अनुभव था, ना ही कभी किसी प्रशासनिक पद को संभालने का...तब तक की राजनीति के लिहाज से किसी राज्य का मुख्यमंत्री बनने के लिए ये प्राथमिक योग्यताएं होती थीं..

नरेंद्र मोदी का चयन कहा जाता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजयेपी ने किया था..तब गुजरात भाजपा तत्कालीन मुख्यमंत्री केशु भाई पटेल और शंकर सिंह बाघेला खेमे के बीच बंटी हुई थी। राज्य बीजेपी में पांच साल पहले गुटबाजी के चलते जो हुआ था, वह राजनीति की दुनिया की शर्मनाक घटनाओं में शुमार है..तेरह दिनी सरकार के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सम्मान समारोह में जो हुआ, वह इतिहास हो चुका है..

गुजरात में बीजेपी की सरकार तो थी, कुछ महीने पहले पड़े अकाल के चलते राहत कार्यों के लेकर हलकान थी। अगर संगठन में एकता होती तो सरकार अपना सारा ध्यान अकाल राहत पर होता, लेकिन गुटबाजी के चलते ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था..राज्य बीजेपी का समर्थक पटेल खेमा अपने नेता के साथ खड़ा था तो क्षत्रिय समेत दूसरी जातियां बाघेला के साथ। ऐसे में सरकार का प्रदर्शन हिचकोले तो खा ही रहा था, बीजेपी की संभावनाएं भी कमजोर हो रही थीं..

ऐसे माहौल में बीजेपी के आलाकमान का ध्यान संघ के प्रचारक रहे गुजराती मूल के नरेंद्र मोदी की ओर गया। अटल जी के दफ्तर ने जब उन्हें फोन कर के प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचने के संदेश दिया, तब आज की तरह मोबाइल ज्यादा नहीं होते थे..तब मोदी दिल्ली के निगम बोध घाट पर संसद हमले में घायल कैमरामैन के निधन के बाद उसके अंत्येष्टि में शामिल थे। एक राष्ट्रीय चैनल के उस कैमरामैन के शोक संतप्त परिवार को धीरज बंधा रहे मोदी के पास फोन आया और उनकी जिंदगी ही बदल गई।

नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 के दिन गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अभी वे प्रशासन को समझ ही रहे थे, सूखा ग्रस्त गुजरात के लोगों और किसानों के राहत के लिए प्रयासरत ही थे, कि प्रकृति ने उनकी बड़ी परीक्षा ले ली। 26 जनवरी 2002 के दिन कच्छ में जबरदस्त भूकंप आया। इस भूकंप में जान-मान की व्यापक क्षति हुई। गुजरात जैसे हिल गया। लेकिन नरेंद्र मोदी ने इसे चुनौती की तरह लिया। गुजरात के नवनिर्माण का उन्होंने संकल्प लिया। भीगी आंखों वाले कच्छ के आंसुओं को पोछा, और देखते ही देखते अपने कुशल नेतृत्व और

सूझबूझ के साथ गुजरात को देश के प्रतिष्ठित राज्यों में स्थापित कर दिया।

भारत को आजादी देते वक्त ब्रिटिश सरकार के कई कारिंदों को उम्मीद थी कि भारत जल्द ही बिखर जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल तो मानते थे कि भारत की आजादी देर तक नहीं टिकेगी। लेकिन भारत ने अपना संविधान तैयार किया। संविधान ने पहले ही चुनाव से वयस्क और बराबरी का मतदान अधिकार दिया। स्त्री-पुरूष. ऊंच-नीच, जाति, धर्म का कोई भेद नहीं रखा। इसी संविधान की बुनियाद पर देश आगे बढ़ता रहा। इसी संविधान की ही सफलता है कि गुजरात के वडनगर के एक निम्न मध्यवर्गीय परिवार में जन्मा बच्चा आज भारतीय लोकतंत्र के शीर्ष पर है। प्रधानमंत्री मोदी की जीवन यात्रा जहां उनके उत्कट देशप्रेम और राष्ट्रनिष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने जिंदगी कठोर परिश्रम एवं अध्यवसाय का भी प्रतीक है। जिस उम्र में आम नौजवान जिंदगी संवारने की कोशिश करता है, देश और समाज के लिए नरेंद्र मोदी ने उस उम्र में घर छोड़ दिया...इसकी प्रेरणा उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से मिली, जिससे उनका स्कूली दिनों से ही संपर्क रहा। 17 सितंबर 1957 को गुजरात के वडनगर में जन्मे मोदी का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से 8 साल की उम्र में जुड़ गए और स्थानीय शाखा में जाने लगे। मोदी 1960 के दशक के अंत में संघ से स्थायी रूप से जुड़े और घर-परिवार छोड़कर अहमदाबाद के मणिनगर इलाके में स्थित संघ के कार्यालय हेडगेवार भवन में रहने चले गए। इस दौरान उन्हें गुजरात के प्रांत प्रचारक लक्ष्मणराव इनामदार का स्नेह मिला। फिर वे उनके सहयोगी के तौर पर काम करने लगे। इनामदार के पास ना सिर्फ गुजरात, बल्कि महाराष्ट्र में लगने वाली संघ की शाखाओं की जिम्मेदारी थी। मोदी के कामकाज से ईमानदार इतना प्रभावित हुए कि उन्हें वे अपना मानस पुत्र मानने लगे। प्रधानमंत्री मोदी इमानदार को अपना गुरू मानते है। इन्हीं ईमानदार की संगति में मोदी 1972 में संघ के प्रचारक बने। तब से लेकर 1985 तक उन्होंने प्रचारक के तौर पर गुजरात में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बुनियाद मजबूत करने की भूमिका निभाई।

इसके अगले साल, राज्य में गुजरात नवनिर्माण आंदोलन चल रहा था। छात्रों द्वारा शुरू में शामिल हो गए। यह आंदोलन गुजरात में छात्रों द्वारा शुरू किया गया था। सुरेंद्रनगर से शुरू इस आंदोलन का मकसद गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री चिमनभाई पटेल की सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ था।

प्रचारक रहते मोदी को संघ ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में काम करने के लिए भेजा गया। देखते ही देखते यह आंदोलन बिहार तक पहुंच गया। बिहार के छात्रों और नौजवानों ने जयप्रकाश नारायण की अगुआई में आंदोलन छेड़ दिया। देखते ही देखते यह आंदोलन व्यापक रूप से फैल गया। जयप्रकाश नारायण की अगुआई में चल रहे इस आंदोलन को भारतीय इतिहास में बिहार छात्र आंदोलन के नाम से जाना जाता है। इस आंदोलन के ही दौरान इंदिरा गांधी की रायबरेली से निर्वाचन को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। इसी छाया में 25 जून1975 की आधी रात को इंदिरा सरकार ने देश पर आपातकाल थोप दिया।

आपातकाल के दौरान देशव्यापी गिरफ्तारियां शुरू हो गईं। उस दौरान संघ के तमाम कार्यकर्ताओं के साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी जैसे दिग्गज नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया। ऐसे में संघ ने अपने कई कार्यकर्ताओं को भूमिगत रहने का संदेश दिया। मोदी को भी भूमिगत रहने को कहा गया और मोदी भी भूमिगत हो गए।

भूमिगत रहते हुए मोदी ने सरकार विरोधी साहित्य जगह-जगह बांटे, गिरफ्तार संघ कार्यकर्ताओं के घर-परिवार की देखभाल की। इसके लिए उन्होंने विदेश में बसे गुजरात समाज के लोगों से संपर्क किया और उनसे मदद मांगी। इससे प्राप्त धन का उन्होंने आपातकाल के बाद, उन्हें इस काले दौर के पीड़ितों से गवाही इकट्ठा करने का काम सौंपा गया। इसका उद्देश्य एक किताब लिखना था। इस दौरान, वे कई जनसंघ के नेताओं से मिले और पूरे भारत की यात्रा की। जनसंघ के नेता आपातकाल के पहले शिकार थे।

साल 1978 में नरेंद्र मोदी को संघ ने विभाग प्रचारक बनाया, फिर उन्हें सूरत और बड़ौदा विभाग का संघ प्रभारी बनाया गया। 1981 में, उन्हें प्रांत प्रचारक का दायित्व मिला। प्रांत प्रचारक रहते हुए उन्होंने गुजरात में संघ को प्रतिष्ठित करने में बड़ी भूमिक निभाई। इस दौरान उन्होंने संघ परिवार के कई प्रकल्पों, जैसे भारतीय किसान संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और विश्व हिंदू परिषद से समन्वय बनाया।

इस बीच गुजरात में साल 1985 में हिंदू-मुस्लिम दंगे हुए। इन दंगों के पीड़ितों के लिए उन्होंने बहुत काम किया।

इस दौरान नरेंद्र मोदी बड़े संगठनकर्ता के रूप में उभरे। 1985 आते-आते मोदी की संगठन क्षमता को पहचान मिली। इसकी गूंज दिल्ली तक पहुंची। साल 1986 में, जब लालकृष्ण आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बने, तो उन्होंने पार्टी कार्य के लिए मोदी को बीजेपी में भेजने की मांग की। जिसे संघ ने स्वीकार कर लिया और 1987 में, मोदी को संघ ने भारतीय जनता पार्टी में काम करने के लिए भेज दिया। इसके बाद उन्हें भारतीय जनता पार्टी की गुजरात इकाई के संगठन मंत्री की अहम जिम्मेदारी मिली। इसी दौरान राम मंदिर आंदोलन में भारतीय जनता पार्टी ने शिरकत की। पार्टी अध्यक्ष लाल कृष्ण आडवाणी ने 1990 में सोमनाथ से अयोध्या की यात्रा शुरू की। भारतीय इतिहास में इसे भारतीय जनता पार्टी की रथयात्रा के रूप में जाना जाता है। आडवाणी की इस रथ यात्रा के मोदी गुजरात में प्रभारी बनाये गए। इसके एक साल बाद 1991 में, भारतीय जनता पार्टी के अगले अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी ने कन्याकुमारी से श्रीनगर तक के लिए एकता यात्रा निकाली। जिसके राष्ट्रीय आयोजक उन्होंने नरेंद्र मोदी को ही बनाया। जोशी की इस यात्रा का उद्देश्य भारत की एकता को ना सिर्फ प्रदर्शित करना था, बल्कि आतंकवाद ग्रस्त श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा फहराकर भारतीय अखंडता को स्थापित करना था।

बहरहाल गुजरात में भारतीय जनता पार्टी के संगठन मंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने भाजपा को गुजरात के घर-घर तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। जिसकी परिणति 1995 के विधानसभा चुनावों में दिखी, जब राज्य में पार्टी को अपने दम पर बड़ा बहुमत मिला। गुजरात की कामयाबी के कुछ दिनों बाद मोदी को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया।

माँ विंध्यवासिनी

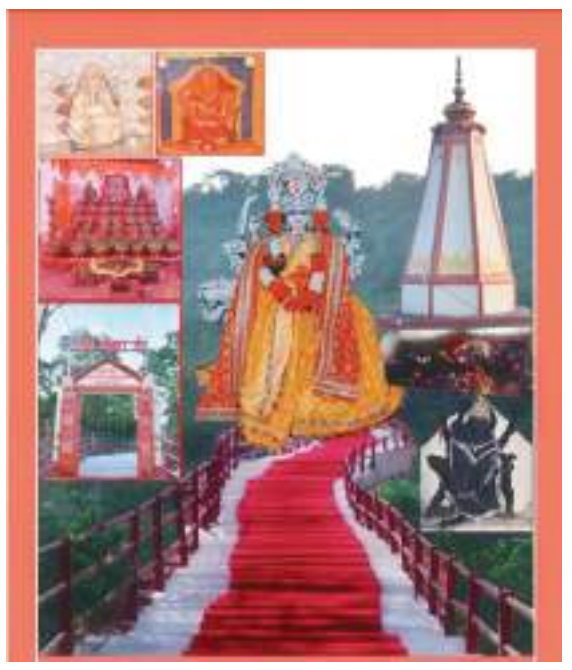

मध्यप्रदेश के *तीर्थ स्थलों* मे 67वे क्रम पर शुमार प्रसिद्ध चमत्कारिक *माँ विंध्यवासिनी धाम सिरवारा* के पावन *दरबार* में *शारदीय नवरात्र* के पावन पर्व पर प्रतिवर्षानुसार *51 खप्पर ज्वारे स्थापना* एवं *प्रति दिन* *कन्याभोज* *भंडारे* का आयोजन किया जा रहा हैं जिसमे *आप सभी धर्मानुरागी* सज्जन, माताएं, बहने, इष्ट मित्रो सहित *सादर आमंत्रित है* । चमत्कारिक तीर्थ क्षेत्र माँ *विंध्यवासिनी* के पावन दरबार में पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर पुण्य लाभ के भागीदार बने एवं धर्म लाभ प्राप्त करें और माँ के कार्य में सहभागी बने।

कार्यक्रम का शुभारंभ अश्विन शुक्ल एकम दिनांक *22 सितंबर 2025* दिन गुरुवार को 51 खप्पर ज्वारे स्थापना से 9 दिनों तक मां *दुर्गा के नौ स्वरूपों* की विशेष पूजा *महाआरती* तथा पूर्णाहुति,एवं विशाल भंडारा एवं समापन अश्विन शुक्ल नवमी दिनांक 02 अक्टूबर 2025 को पूर्ण होगा। कार्यक्रम में जो भी भाग लेना चाहते है कृपया *संपर्क* करें। चरण सेवक 9826833836 तीर्थ क्षेत्र *माँ* *विंध्यवासिनी* दरबार *सिरवारा* *बाड़ी* जिला *रायसेन* *मध्यप्रदेश* । (म प्र)

इंतजार करना मनस्थिति- प्रतीक्षा में लोग जीवन निकाल देते हैं, स्वयं को समझने का सूत्र अपनाएं

(दीपक कुमार शर्मा)

क्या अतीत आपका बहुत ध्यान आकर्षित करता है? आपकी उपलब्धियां, रोमांचक किस्से, अनुभव या वे सारी बुरी चीजें जो आपके साथ हुई हों, क्या आप उनके बारे में बोलते या सोचते हैं? क्या आपकी विचार-प्रक्रिया अपराधी भाव, घमंड, आक्रोश, गुस्सा, खेद या आत्मग्लानि पैदा कर रही है? अगर हां, तो आप न केवल अपने मन में झूठे आत्मभाव को प्रबल कर रहे हैं, बल्कि अतीत को संजोकर अपने शरीर को जल्दी बूढ़ा कर रहे हैं। इसका जीता-जागता उदहारण उन लोगों में मिल जाएगा, जो अपने अतीत को पकड़े रखते हैं।

हर क्षण अतीत के बारे में सोचना ठीक नहीं है। जब वर्तमान में उसकी जरूरत हो, तभी उसका उल्लेख करें। इस क्षण में निहित शक्ति का और आत्मा की पूर्णता का अनुभव करें। अपनी उपस्थिति का अनुभव करें। आपके मन में बहुत से विचार हैं, जो चिंता में डाल रहे हैं। आपका मन काल्पनिक भविष्य में खुद को देख रहा है और भय पैदा कर रहा है। किसी भी दशा में आप ऐसी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकते, क्योंकि उसका अस्तित्व ही नहीं है। वह एक मानसिक छायाभास है। वर्तमान क्षण को स्वीकार करके आप जीवन उजाड़ने वाले पागलपन को रोक सकते हैं। अपनी श्वास-प्रश्वास के प्रति जागरूक हो जाएं। वायु को अपने शरीर के अंदर व बाहर आता-जाता महसूस करें। अपने अंतःशक्ति क्षेत्र को महसूस करें। वास्तविक जीवन में, मन की काल्पनिक बातों के बजाय हमें केवल वर्तमान क्षण का सामना करना होता है।

नेपाल से सीखा सबक ! भारत में आंदोलनों का अध्ययन कर भविष्य की रणनीति बनाएगी मोदी सरकार

बहरहाल, देखा जाये तो भारत एक बड़ा लोकतंत्र है और यहाँ आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार भी हैं, किंतु अगर इन आंदोलनों को बाहरी ताक़तें या संगठित हित समूह मोड़ देते हैं तो वे राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए चुनौती बन सकते हैं। नेपाल या श्रीलंका जैसी स्थितियाँ भारत में नहीं उत्पन्न हों, यह सुनिश्चित करना मोदी सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए अमित शाह का यह फैसला केवल आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति और लोकतांत्रिक स्थिरता के संदर्भ में भी अहम है। इस तरह, मोदी सरकार का यह कदम इस बात का संकेत है कि भारत अब आंदोलनों को सिर्फ़ लोकतांत्रिक असहमति का मंच नहीं मानता, बल्कि उन्हें संभावित भू-राजनीतिक खतरे और स्थिर शासन व्यवस्था के लिए चुनौती के रूप में भी देख रहा है। यही इसकी गंभीरता और प्रासंगिकता है।

(नीरज कुमार दुबे)

मोदी सरकार की इस कवायद के वर्तमान संदर्भ में मायने समझें तो इसके लिए हमें यह देखना होगा कि आज भारत ऐसे समय में है जब सूचना और संचार तकनीक ने आंदोलन करने की शैली को बदल दिया है। सोशल मीडिया के ज़रिए आंदोलन बहुत तेज़ी से आकार ले सकते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यह निर्देश दिया है कि 1974 से अब तक देश में हुए प्रमुख आंदोलनों का गहन अध्ययन किया जाए, ताकि यह समझा जा सके कि किन कारणों से बड़े पैमाने पर असंतोष पनपता है और भविष्य में 'स्वार्थी तत्वों' द्वारा आंदोलन की आड़ में अशांति फैलाने की संभावनाओं को रोका जा सके।

देखा जाये तो 1974 का वर्ष भारतीय राजनीति में विशेष महत्व रखता है। यह वही दौर था जब जेपी आंदोलन ने बिहार से उठकर राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण किया और अंततः 1975 में आपातकाल की पृष्ठभूमि बनी। उसके बाद से छात्र आंदोलनों, किसान आंदोलनों, आरक्षण विरोधी और समर्थनकारी आंदोलनों, अन्ना हज़ारे का भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन, शाहीन बाग का नागरिकता संशोधन कानून विरोध और हालिया किसान आंदोलन, ये सभी भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के निर्णायक पड़ाव रहे हैं।

देखा जाये तो अमित शाह का यह कदम मात्र अतीत की घटनाओं की सूची तैयार करना नहीं है, बल्कि आंदोलन की प्रकृति, उनकी पृष्ठभूमि, उनसे हुई सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल और उनके सकारात्मक या नकारात्मक परिणामों को समझना है। सवाल यह है कि कौन-से आंदोलन वास्तविक जनआकांक्षाओं के प्रतिनिधि थे? किन आंदोलनों को संगठित समूहों या बाहरी ताकतों ने दिशा दी? आंदोलन कब लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बने और कब हिंसा या अराजकता में बदल गए? इन सवालों का उत्तर ढूंढ़ना इस अध्ययन का

मूल मकसद प्रतीत होता है।

मोदी सरकार की इस कवायद के वर्तमान संदर्भ में मायने समझें तो इसके लिए हमें यह देखना होगा कि आज भारत ऐसे समय में है जब सूचना और संचार तकनीक ने आंदोलन करने की शैली को बदल दिया है। सोशल मीडिया के ज़रिए आंदोलन बहुत तेज़ी से आकार ले सकते हैं। साथ ही स्थानीय असंतोष देखते-देखते राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन जाता है। इसके अलावा, विपक्षी दल और अंतरराष्ट्रीय मंच भी आंदोलनों को राजनीतिक रंग देने में सक्रिय रहते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में गृह मंत्रालय की इस पहल के कई मायने हैं। जैसे- सरकार आंदोलन के पीछे छिपी वास्तविक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को समझकर बेहतर नीतियाँ बना सकेगी। साथ ही अगर किसी आंदोलन को विदेशी या विध्वंसकारी ताकतें भड़काती हैं, तो उनकी पहचान करना आसान होगा। इसके अलावा, मोदी सरकार यह भी दर्शाना चाहती है कि वह लोकतांत्रिक अधिकारों और अनुशासन के बीच संतुलन कायम रखने के पक्ष में है। मोदी सरकार का यह निर्णय यह भी बताता है कि केंद्र सरकार आंदोलनों की राजनीति को सिर्फ तात्कालिक चुनौती नहीं मानती, बल्कि दीर्घकालिक नीति-चिंतन के विषय के रूप में देख रही है।

हालाँकि, सरकार के इस फैसले की आलोचनाएँ होनी भी संभव हैं। विपक्ष इसे आंदोलनों को बदनाम करने की कोशिश कह सकता है। देखा जाये तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन असहमति जताने का वैध साधन हैं, ऐसे में उनका अध्ययन करने को कुछ लोग नागरिक अधिकारों पर अंकुश की तैयारी मान सकते हैं। वैसे अमित शाह का यह निर्णय केवल अतीत को खंगालने का नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीति को दिशा देने का प्रयास है। यह कदम यह स्पष्ट करता है कि केंद्र सरकार आंदोलन की राजनीति को हल्के में नहीं ले रही और उसे राष्ट्रीय सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जोड़कर देख रही है। अब देखना होगा कि यह अध्ययन संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है या फिर केवल आंदोलनों को स्वार्थी तत्वों की कारस्तानी करार देने तक सीमित रह जाता है। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि नेपाल में जेन-ज़ेड युवाओं के आंदोलन ने यह दिखाया है कि नई पीढ़ी पारंपरिक राजनीति से असंतोष प्रकट करने के लिए सड़कों पर उतरने से हिचकती नहीं। इसके अलावा, दक्षिण एशिया के अन्य देशों– जैसे बांग्लादेश और श्रीलंका में भी हाल में जन आंदोलनों ने सत्ता परिवर्तन या राजनीतिक उथल-पुथल को जन्म दिया है। दुनिया के अन्य हिस्सों में अरब स्प्रिंग के उदाहरण से यह स्पष्ट हो चुका है कि जनता की असंतुष्टि, यदि समय रहते संभाली नहीं जाए, तो वह तख़्तापलट या शासन परिवर्तन का कारण बन सकती है।

इस बार 10 दिनों की नवरात्रि, 11वें दिन दशहरा

सजने लगे मातारानी के दरबार, 22 को शुभ मुहूर्त में घटस्थापना

प्राचीन बिजासन माता मंदिर टेकरी पर लगेगा पारंपरिक मेला

चतुर्थी तिथि बढ़ी, श्राद्ध पक्ष में एक तिथि का क्षय

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरूआत 22 सितंबर को देर रात 1.23 मिनट पर हो रही है, जो 23 सितंबर को रात 2.55 बजे समाप्त होगी। ऐसे में 22 सितंबर से नवरात्रि शुरू होगी व कलश स्थापना की जाएगी। नवरात्रि तिथि में चतुर्थी तिथि बढ़ रही है। श्राद्ध पक्ष में एक तिथि का क्षय और नवरात्रि में एक तिथि की वृद्धि हो रही है, इसलिए नवरात्रि पूरे दस दिनों की होगी।

भोपाल। इस बार शारदीय नवरात्रि नौ दिनों के बजाय 10 दिन की होगी, वहीं विजयदशमी का पर्व 11वें दिन मनाया जाएगा। मां दुर्गा का आगमन हाथी पर हो रहा है, जो सुख व समृद्धि का प्रतीक माना गया है। 22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। शहर के माता मंदिर और गरबा पंडाल विद्युत सज्जा से सजने लगे हैं। नवरात्रि में देवी दरबारों में प्रतिपदा से नवमी तक मां दुर्गा के नौ रूपों की पूरी भक्ति भाव और श्रद्धा से आराधना की जाएगी। आचार्य पंडित नवीन उपाध्याय ने बताया कि नवरात्र की शुरूआत आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि सोमवार से हो रही है। वहीं 1 अक्टूबर बुधवार को महानवमी के दिन नवरात्रि की समाप्ति मानी जाएगी। 2 अक्टूबर गुरुवार को विजयादशमी का पर्व मनाया जाएगा। इस वर्ष श्राद्ध पक्ष में एक तिथि का लोप हो रहा है, वहीं नवरात्रि में चतुर्थी तिथि 2 दिन है, जिससे नवरात्रि 9 दिन के बजाय 10 दिन की होगी। नवरात्रि में तिथि की वृद्धि अतिशुभदायक मानी जाती है। अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना करना श्रेयस्कर नवरात्रि में कलश स्थापना का विशेष महत्व है। आचार्य पंडित रामचंद्र शर्मा वैदिक के अनुसार इस वर्ष सुबह से शाम तक पूरे दिन कलश स्थापना का मुहूर्त है, लेकिन अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना को श्रेयस्कर माना गया है। सोमवार को सुबह 11.20 बजे के बाद हस्त नक्षत्र का आगमन हो रहा है तथा 12.09 बजे तक अभिजीत मुहूर्त बताया गया है, जो सर्वश्रेष्ठ रहेगा।

शहर में 50 से ज्यादा गरबा आयोजन

गली-मोहल्लों में चल रही गरबा प्रैक्टिस

__भोपाल।__ इस साल भी नवरात्रि पर शहर में गरबा आयोजनों को लेकर उत्साह, उमंग और उल्लास नजर आने लगा है। बड़े गरबा आयोजनों से लेकर गली-मोहल्ले में होने वाले आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कई की तैयारियां एक महीने से चल रही हैं। एक अनुमान के मुताबिक शहर में छोटे-बड़े सौ से ज्यादा आयोजन होना हैं। कई बड़े आयोजन नौ दिन लगातार तो कई तीन से एक दिन के भी होंगे। शहर की तासीर हर त्योहार को उत्साह के साथ एक अलग तरीके से मनाने की रही है। गरबा जितना गुजरात में लोकप्रिय है, उतना ही यहां के लोगों में भी। खासतौर पर युवाओं में। वे महीनों इसके लिए तैयारियां करते हैं। कुछ नामी बड़े गरबा आयोजनों के लिए महीनों पहले से तैयारी शुरू करते हैं। इनमें गरबे की प्रैक्टिस ही 10 से 15 दिन की होती है। इसके साथ ही गली-मोहल्ले और शहर की सोसायटी सहित कॉलोनियों में भी होने वाले गरबा आयोजन की अलग-अलग एज ग्रुप के हिसाब से प्रैक्टिस भी शुरू हो चुकी है। हर साल की तरह इस साल भी कई गरबा आयोजन में फिल्म से लेकर टीवी सेलिब्रिटी तक शहर में आएंगे।

ड्रेसेस से लेकर मेकअप तक की तैयारियां

गरबा प्रैक्टिस ही नहीं, कई तरह की अन्य तैयारियां भी इसमें शामिल हैं। इसमें गरबे के परिधान भी शामिल हैं। किराए पर मिलने वाले परिधान की बुकिंग हो चुकी है तो कई गुजरात जाकर नवरात्रि के लिए खरीदारी करके आए हैं। गरबे की ड्रेस से साथ मेकअप के लिए भी कई पार्लर में एडवांस बुकिंग हो चुकी है। पार्लरों में तीन, पांच और नौ दिन के हिसाब से पैकेज तैयार किए गए हैं। मां की आराधना और गरबों के साथ ही ये नौ दिन शहर रातभर के लिए गुलजार होता है। कई बड़े आयोजनों में फूड फेस्टिवल कई लोगों के रोजगार का जरिया बनते हैं तो शहर की चौपाटियां भी रातभर के लिए इस दौरान गुलजार होती हैं।

पानी के बिल ऑनलाइन जमा करने की सुविधा चार दिन से ठप

418 नगरीय निकायों में लोग हो रहे परेशान

भोपाल। प्रदेशभर के 418 नगरीय निकायों में पानी के बिल घर बैठे ऑनलाइन जमा करने की सुविधा पिछले चार दिनों से ठप पड़ी हुई है। पानी के बिल जमा करने के लिए मध्यप्रदेश ई-नगर पालिका पोर्टल के माध्यम से प्रक्रिया की जाती है। इसमें नगरीय निकाय का चयन करने के बाद कनेक्शन नंबर डालकर बिल का भुगतान किया जा सकता है। इसके लिए एक्सिस बैंक द्वारा ई-नगर पालिका पोर्टल पर पेमेंट गेटवे की सुविधा दी गई है लेकिन पिछले तीन दिन से ये पेमेंट गेटवे बंद है। इसके चलते ऑनलाइन भुगतान करने का प्रयास कर रहे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे लोग या तो नगरीय निकायों के कार्यालयों में जाकर नगद राशि देकर बिल का भुगतान कर रहे हैं या फिर नगरीय निकायों में मौजूद कोटक बैंक की पीओएस मशीनों के माध्यम से भुगतान हो पा रहा है। इस मामले में नगरीय निकायों ने ई-मेल के माध्यम से नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया है और वहां से एक्सिस बैंक से भी पत्राचार किया जा रहा है, ताकि समस्या का समाधान हो सके। इसका कारण है कि नगरीय निकायों में लाखों की संख्या में नल कनेक्शन हैं और वर्तमान में ज्यादातर लोग ऑनलाइन ही भुगतान करना पसंद करते हैं।

सिर्फ आईफोन से हो रहे भुगतान

वर्तमान में ई-नगर पालिका के मोबाइल एप और वेबसाइट से भुगतान में दिक्कत आ रही है। इसमें भी एंड्रायड यूजर परेशान हो रहे हैं, क्योंकि उनके मोबाइल में मौजूद एप से यूपीआइ के जरिये भुगतान नहीं हो रहा। जैसे ही पेमेंट के विकल्प पर क्लिक किया जाता है, वैसे ही एरर मैसेज आने लगता है। इसके अलावा एक बार भुगतान की प्रक्रिया का विकल्प चुनने पर अगले 30 मिनट तक कोई ट्रांजेक्शन ना होने का मैसेज भी फ्लैश होने लगता है। हालांकि आइफोन यूजर के साथ ये समस्या नहीं आ रही। आइफोन के माध्यम से भुगतान हो रहे हैं। पीओएस मशीन और आइफोन यूजर द्वारा बिल जमा करने के कारण नगरीय प्रशासन विभाग में भी ये समस्या चिह्नित नहीं हो पा रही थी। लेकिन बुधवार शाम को इसे देखकर निराकरण कराने के प्रयास शुरू किए गए हैं।

वक्फ सम्पत्तियों की सुरक्षा और शिक्षा के उत्थान पर भोपाल में राज्य स्तरीय वक्फ सेमिनार

भोपाल में एक राज्य स्तरीय वक्फ सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के एक लाख से अधिक आय वक्फकों के जिम्मेदारान, जिला वक्फ कमेटी के पदाधिकारी इलेक्ट्रनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया एवं सोशल मीडिया के प्रतिनिधिगण ने शिरकत की।

भोपाल। वक्फ संशोधित अधिनियम, 2025 की रोशनी में मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के अंतर्गत राजपत्रित एवं पंजीकत लगभग 15 हजार वक्फ सम्पतियों की सुरक्षा एवं उनकी बेहतर प्रबंध व्यवरथा किस तरह की जाए, वक्फ के उद्देश्यों के अंतर्गत समाज के गरीब, नादार, कमजोर आदि वर्ग का शैक्षणिक, समाजिक, आर्थिक उत्थान किस तरह किया जाये, के संबंधें जरूरी दिशा निर्देश एवं बेहतर सुझाव हेतु कार्यालय मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड द्वारा डॉ. सनवर पटेल अध्यकष म.प्र. राज्य वक्फ बोर्ड की अध्यक्षता में दिनांक 18 सितम्बर, 2025 को सैयद सुलेमान हाल ताजुल मसाजिद केम्पस, भोपाल में एक राज्य स्तरीय वक्फ सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के एक लाख से अधिक आय वक्फकों के जिम्मेदारान, जिला वक्फ कमेटी के पदाधिकारी इलेक्ट्रनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया एवं सोशल मीडिया के प्रतिनिधिगण ने शिरकत की। मान. अध्यकष डॉ. सनवर पटेल ने इस अवसर पर अपने उद्बोधनें अपने कार्यकाल में हुईं उपलब्धियों को पेश किये। उन्होंने अपने उद्बोधन में नवीन वक्फ संशोधित अधिनियम-2025, उम्मीद सेन्ट्रल पोर्टल, उम्मीद सेन्ट्रल रूल्स-2025. पटटा नियम, बोर्ड की शिक्षा निति, कृषि भूमि नीलामी से प्रापत अप्रत्याशित राशि एवं विशेष कर बोर्ड के अधीन समितियों द्वारा मेघावी छात्र-छात्राओं को छात्ति वितरित कर उन्हें ड्रॉप आउट होने से बचाने के लिये किये गये कायों को पुरजोर अंदाज में पेश किये। उन्होंने अपने उदबोधन में स्पष्ट रूप से कहा की वक्फ क जिम्मेदारों को वक्फ के कार्य वक्फ कानून के दायरे में ही रहकर पूर्ण ईमानदारी एवं दियानतदारी के साथ निष्पादित करना होगा इस मौके पर काजी-ए-शहर रियासत भोपाल, काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी एवं मुप्ती-ए-शहर जनाब मुपती अबुल कलाम कासमी ने इरलाम धर्मे शिक्षा की अहमियत एवं वक्फ की हिफाजत की जिम्मेदारी पर रोशनी डालते हुए अनेक उदाहरण से बताया कि आज शिक्षा के मैदान में आगे बढ़ने एवं कौशल विकास की जरूरत है। समारोह में वक्फ से संबंधित अनेक विषयों जैसेः वक्फ संशोधित अधिनियम 2025. उम्मीद सेन्ट्रल वक्फ रूल्स-2025. पटटा नियम, किराय गाइडलाइन, बोर्ड की शिकषा निति, सेन्ट्रल बैंक में वक्फ के खातों को संचालित करने, कृषि भूमि नीलामी वक्फ प्रबंधन क दौरान कानूनी सहायता, धारा-54 के संबंध में आवश्यक 'प्रक्रिया एवं वक्फ अधिनियम 2025 के प्रावधानानुसार चंदा निगरानी, हिसाबात आदिपर बोर्ड कार्यालय वृष्ठि अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण दरा चरं की गईं। समारोह में क्षि 'नीलामी में शरे्ठ प्रदर्शन कर सबसे अधिक राजस्व अरि्त करने वाले जिले के अध्यक्ष एवं संबंधित वक्फ कमेटियों के अध्यक्षों को एवं साथ ही बोर्ड की शिक्षा निति पढ़ो-पढ़ाओ राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनो अंतर्त सबसे अधिक छात्रवृति देने वाले जिला अध्यक्ष व संबंधित वक्फ कमेटियों के अध्यक्ष को सम्मानित किया गया। समारोह का आगाज कुरआन की तिलावत से हुआ। स्वागत उदबोधन के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी म.प्र. वक्फ बोर्ड डॉ. फरजाना गजाल ने वक्फ की अहमियत पर रोशनी डाली। अतिथिंगण के रूप में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री एम.एजाज खान, जिला वक्फ कमेटी के अध्यक्ष श्री इरशाद अन्सारी आदि सम्मिलित हुए एवंसभी नेइंस मौके 'पर शिक्षा एवं वक्फ की अहमियत पर रोशनी डाली। समारोह का समापन मुख्य कार्यपालन अधिकारी म,. वक्फ बोर्ड डॉ. फरजाना गजाल के आभार एवं काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी 'दुआ पर हुआ। उक्त समारोह के संचालन की जिम्मेदारी बोर्ड कार्यालय के आई.टी.सल के प्रभारी एवं औकाफ-ए-आम्मा के प्रधिकृत अधिकारी डॉ. अकमल यजदानी ने बखूबी अंजाम दी।

टाइगर रिजर्व में बनाया स्टे होम, लगाई आरा मशीन

भोपाल। मप्र कई मामलों में गजब है। आए दिन अलग-अलग तरह के मामलों को लेकर मध्य प्रदेश का नाम चर्चा में आ जाता है। आमतौर पर वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण के मामले तो सामने आते रहते हैं, लेकिन अब पन्ना टाइगर रिजर्व से सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि, टाइगर रिजर्व के सेंसेटिव जोन में होटल, रिसोर्ट और आरा मशीन तक बना दी गई। और यह बनाने वाला कोई और नहीं, बल्कि एक दिल्ली में पदस्थ इनकम टैक्स कमिश्नर बी श्रीनिवास कुमार हैं, जिनकी पत्नी हिमानी सरद सुप्रीम कोर्ट में केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी के पद पर पदस्थ हैं। वन विभाग ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया है। ऐसे हुआ पूरे मामले का खुलासा इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब 3 सितंबर को वन बल प्रमुख और प्रधान मुख्य वन संरक्षक पन्ना टाइगर रिजर्व के भ्रमण के दौरान पहुंचे थे। केके क्षेत्रीय निदेशक नरेश कुमार यादव ने 3 सितंबर को क्षेत्रीय दौरा किया। इस दौरान टाइगर रिजर्व के इको सिस्टम जोन चंद्रनगर रेंज के कंपार्टमेंट नंबर 666, 668 खसरा नंबर 1341 में अवैध गतिविधियों का संचालन होता पाया गया। इस जमीन का कुल रकबा 42 हेक्टेयर का है। इसके पास अवैध रूप से होम स्टे का निर्माण भी किया गया। मौके पर एक आरा मशीन भी मिले, जिसे

हो सकती है खतरनाक बीमारी मेलियोइडोसिस

बार-बार बुखार और खांसी तो हो जाएं सावधान

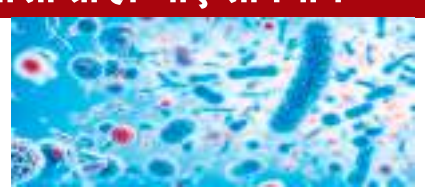

भोपाल। यदि आपको बार-बार सर्दी खांसी और बुखार आ रहा है, या टीबी जैसे लक्षण हैं तो सावधान हो जाइए। एम्स के चिकित्सकों का कहना है कि यह सामान्य सर्दी-खांसी के अलावा मेलिओइडोसिस भी हो सकती है। जब तक इसका सही इलाज नहीं होगा यह ठीक नहीं होगा। लंबे समय से बुखार, फोड़े या फेफड़ों की तकलीफ हो और साधारण इलाज से ठीक न हो रहा हो, तो डॉक्टर से मिलें और मेलियोइडोसिस की जांच जरूर कराएं। यह रोग इतना घातक है कि पहले पकड़ में ही नहीं आता। पहचान होते-होते संक्रमण इतना फैल जाता है कि 40 फीसदी मरीजों की मौत तक हो जाती है। ये बीमारी कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा जैसे तटीय क्षेत्रों में ही पाई जाती रही है। अब एमपी में भी मरीज मिल रहे हैं। मेलियोइडोसिस एक गंभीर रोग है, जो बर्कहोल्डेरिया स्यूडोमैलीआई नामक बैक्टीरिया से होता है। यह

बैक्टीरिया मिट्टी में पाया जाता है, खासकर धान के खेतों में। संक्रमित मिट्टी या पानी के संपर्क में आने से यह मनुष्यों में फैल सकता है। यह बीमारी कई अंगों को प्रभावित करती है और लक्षणों में अक्सर टीबी जैसी लगती है। यदि सही समय पर उपचार न मिले तो यह जानलेवा भी हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य से जुड़े लोगों को इसका अधिक खतरा होता है, लेकिन शहरी क्षेत्रों के लोग भी खासकर डायबिटीज से पीड़ित या लगातार शराब का सेवन करने वाले लोग, इससे प्रभावित हो सकते हैं।

टीबी का इलाज करा रहा था किसान

भोपाल के पास रहने वाले 45 वर्षीय किसान को कई महीनों से बार-बार बुखार, खांसी और सीने में दर्द की शिकायत थी। स्थानीय इलाज लेने के बावजूद हालत सुधर नहीं रही थी। डॉक्टरों को पहले लगा कि यह टीबी (क्षय रोग) है, और महीनों तक दवाइयों भी दी गई लेकिन कोई असर नहीं हुआ। मरीज को आखिरकार एम्स भोपाल रेफर किया गया। वहां माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने विशेष जांच की और पाया कि यह टीबी नहीं, बल्कि मेलिओइडोसिस है। सही दवाइयां शुरू होते ही मरीज की हालत जल्दी सुधर गई और वह कुछ ही हफ्तों में ठीक हो गया।

अब नहीं रहेगी लो-वोल्टेज की समस्या

बिजली उपकेंद्रों पर लगाए गए कैपेसिटर बैंक

भोपाल। बिजली उपभोक्ताओं को अब पहले से ज्यादा स्थिर बिजली मिलेगी। उन्हें अब लो-वोल्टेज की समस्या से राहत मिल जाएगी, क्योंकि मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश भर में 417 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब स्टेशनों में से 412 सब स्टेशनों पर विभिन्न क्षमताओं के कैपेसिटर बैंक लगा दिए हैं। इन कैपेसिटर बैंकों की मदद से वोल्टेज में स्थिरता लाई जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज और बार-बार उपकरण खराब होने की समस्या से निजात मिलेगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ट्रांसमिशन सिस्टम और अधिक मजबूत हो रहा है। कैपेसिटर

बैंक (संधारित्र बैंक) कई कैपेसिटर का एक समूह होता है, जो विद्युत ऊर्जा को संग्रहित और जारी करने के लिए एक साथ समानांतर या श्रेणीक्रम में जुड़े होते हैं। इन्हें विद्युत प्रणालियों की दक्षता में सुधार करने, पावर फैक्टर को सही करने और प्रतिक्रियाशील शक्ति को कम करने के लिए उपयोग किया जाता है। एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशनों से विद्युत आपूर्ति के दौरान पावर ट्रांसफार्मर पर प्रायः इंडक्टिव लोड (सिंचाई मोटर एवं घरेलू उपकरण) होता है, जिससे वोल्टेज में कमी आती है और विद्युत गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस समस्या के समाधान के लिए कैपेसिटर बैंक लगाए गए हैं, जो अपने कैपेसिटिव लोड के माध्यम से उस इंडक्टिव प्रभाव को संतुलित कर देते हैं। इसके परिणामस्वरूप पावर फैक्टर में सुधार होता है और उपभोक्ताओं को मानक वोल्टेज पर विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति होती है।

सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग

घाटों पर पूर्वजों के लिए पिंडदान, तर्पण करेंगे श्रद्धालु

भोपाल। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि इस बार 21 सितंबर रविवार को उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में पड़ रही है। इस दिन शुभ योग और चतुष्पद करण का संयोग बन रहा है, जो चार गुना शुभ फलदायी माना जाता है। उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के कारण सर्वार्थ सिद्धि योग भी निर्मित हो रहा है। रविवार को पड? वाली यह अमावस्या पितृ कर्मों के लिए विशेष फलदायी मानी जाती है। इस अवसर पर राजधानी के घाटों पर हजारों श्रद्धालु पिंडदान व तर्पण के लिए पहुंचते हैं। ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला के अनुसार, इस बार सूर्य और बुध कन्या राशि में रहेंगे। बुध हस्त नक्षत्र पर गोचर करते हुए सूर्य के साथ मिलकर कार्यों की सिद्धि प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चंद्रमा केंद्रीय त्रिकोण की स्थिति में रहेगा और शुक्र व केतु के साथ युति बनाएगा। कन्या राशि में बुध आदित्य योग का परिभ्रमण पितृ लोक में विशेष महत्व रखता है।

रविवार के दिन अमावस्या, इसलिए भी विशेष- चंद्र, केतु और शुक्र की यह युति ज्ञात-अज्ञात पितरों की तृप्ति और दोष निवृत्ति के लिए योग कारक है। रविवार के दिन अमावस्या तिथि का होना इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह सूर्य का दिन है और पितृ लोक को चंद्रमा के माध्यम से सूर्य की ऊर्जा प्राप्त होती है। ग्रह-नक्षत्रों के गोचर और परिभ्रमण नियम के अनुसार, इस अमावस्या पर नवग्रहों में पांच ग्रह ऐसी स्थिति में रहेंगे, जो दशकों बाद पुनः दिखाई देती है। इस कालखंड में पूर्वजों के निमित्त तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान, धूप, ध्यान, वस्त्रदान और पात्रदान करने से वंश वृद्धि होती है, दीघार्यु प्राप्त होती है और पितरों को विष्णु लोक की प्राप्ति होती है।

राज्य पुलिस सेवा के सात अधिकारी बनेंगे आईपीएस

दूसरे राज्यों की तुलना में मप्र के अधिकारी चल रहे पीछे

भोपाल। राज्य पुलिस सेवा के पांच अधिकारी इस वर्ष आईपीएस संवर्ग में पदोन्नत हो जाएंगे। अगले वर्ष एक जनवरी 2025 की स्थिति में सात को पदोन्नति मिलनी है। यह सभी 1998 बैच के होंगे। यानी, अभी 27 वर्ष की सेवा के बाद भी वह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ही हैं। बड़े-बड़े बैच, हर पांच वर्ष में काडर रिव्यू नहीं होने सहित कई कारणों से मप्र के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी आईपीएस संवर्ग में पदोन्नति में अन्य राज्यों से काफी पीछे हैं। वर्ष 2025 में सात पदों के लिए डीपीसी की तैयारी शासन अक्टूबर-नवंबर से प्रारंभ कर सकता है। इनकी डीपीसी लगभग एक वर्ष पीछे चल रही है। बता दें कि कर्नाटक में 2012, तेलंगाना, गुजरात और आंध्र प्रदेश में 2010 बैच के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी पदोन्नत होकर आइपीएस बन चुके हैं, पर प्रदेश में अभी वर्ष 1998 का ही पूरा बैच पदोन्नत नहीं हो पाया है। उधर, प्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2006 के अधिकारी आईएएस में पदोन्नत हो चुके हैं। राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी लंबे समय से शासन से मांग कर रहे हैं कि छोटे जिलों में पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी उन्हें दी जाए।

संक्षिप्त समाचार

अल-कायदा से जुड़े आतंकियों ने माली में ईंधन ट्रकों को बनाया निशाना

बामाको, एजेंसी। अल-कायदा से जुड़े आतंकवादियों ने माली की राजधानी बामाको जा रहे करीब 100 ईंधन ट्रकों को हाल के दिनों में जला दिया और नष्ट कर दिया है। यह हमला उस समय हुआ है जब माली की सेना आतंकवादियों द्वारा लगाए गए ईंधन आयात के अवरोध को रोकने की कोशिश कर रही है। जमात नुसरत अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन नामक आतंकवादी संगठन ने दो हफ्ते पहले पड़ोसी देशों से ईंधन लाने पर पाबंदी लगाने की घोषणा की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम माली की कमजोर अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा है और सैन्य सरकार के लिए भी गंभीर झटका है।

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक और यूनिवर्सिटी ने खोला मोर्चा, फंड रोकने पर दायर किया मुकदमा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन भारी भरकम टैकिफ लगाने की वजह से जहां दुनियाभर के कई देशों के निशाने पर हैं, वहीं अब अमेरिका की एक और टॉप यूनिवर्सिटी ने फंड रोके जाने के मुद्दे पर उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी के शिक्षकों, छात्रों और अन्य कर्मचारियों ने ट्रंप प्रशासन पर संघीय धन रोके जाने और अन्य कार्रवाइयों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। अपनी याचिका में यूनिवर्सिटी ने आरोप लगाया है कि ट्रंप प्रशासन यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक स्वतंत्रता का हनन करना चाहता है।

कैलिफ़ोर्निया के उत्तरी जिले की डिस्ट्रिक कोर्ट में दायर इस मुकदमे में यूनिवर्सिटी ने ट्रंप सरकार पर वित्तीय धमकियों का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग की गई है। याचिका में फंड रोकने की धमकी को हानिकारक और गैरकानूनी बताया गया है। अर्जी में पहले से निर्लंबित धन को फिर से बहाल करने का भी अनुरोध किया गया है।

ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर करने वाले शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों के संघ ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को धमकाने और फंड रोकने का हथकंडा अपना रखा है। उन्होंने आगे कहा कि ये धमकियाँ संस्थानों के पाठ्यक्रम, परिसरों में अभिव्यक्तिपूर्ण गतिविधियों और विविधता, समानता और समावेशन की पहलों के प्रति तिरस्कार पर आधारित हैं। फिलहाल कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी सिस्टम और वाइट हाउस ने इस मुक़दमे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने गाजा पर इजरायल के हमले के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित यहूदी-विरोधी गतिविधियों से निपटने के विश्वविद्यालयों के तरीकों की जाँच शुरू कर दी है और इस मामले में तथा जलवायु पहलों और डीईआई कार्यक्रमों सहित अन्य मुद्दों पर धन रोक दिया है। नागरिक अधिकारों के पैरोकारों का कहना है कि ट्रम्प प्रशासन विश्वविद्यालयों को अपने राजनीतिक एजेंडे के साथ कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है, जबकि आलोचक ऐसे प्रयासों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए खतरा मानते हैं। कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय अमेरिका की सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणालियों में से एक का संचालन करता है, जिसके 10 मुख्य परिसर हैं और लगभग 300,000 छात्र हैं। इस यूनिवर्सिटी में 265,000 संकाय और कर्मचारी काम करते हैं। अमेरिका की टॉप पब्लिक यूनिवर्सिटीज में से एक- कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) ने अगस्त में कहा था कि सरकार ने 584 मिलियन डॉलर की धनराशि रोक दी है। कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष जेम्स मिलिकेन ने सोमवार को कहा कि संघीय सरकार की कार्रवाइयों के कारण संस्थान अपने इतिहास के सबसे गंभीर खतरों में से एक का सामना कर रहा है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा से पहले ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे मोहम्मद यूनुस, हिंदू समुदाय को दी शुभकामनाएं

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने दुर्गा पूजा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मंगलवार को ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। यूनुस ने कहा कि किसी भी सरकार को नागरिकों को उनके मौलिक संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने का अधिकार नहीं है।

मोहम्मद यूनुस ने कही ये बात: मोहम्मद यूनुस कहा कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म या विचारधारा का पालन करता हो, चाहे वह अमीर हो या गरीब, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण नागरिक है। संविधान में नागरिकों के सभी अधिकारों की गारंटी दी गई है। हिंदुओं और उनके पूजा स्थलों पर हमलों की बार-बार हुई घटनाओं को लेकर व्यापक चिंताओं के बीच उन्होंने कहा कि पूरा देश एक व्यापक परिवार है। सरकार सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नये बांग्लादेश का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य नागरिकों का सम्मान है

यूनुस ने कहा कि नये बांग्लादेश का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करना है। उन्होंने एक ऐसे देश के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया जहां लोगों को अपने धार्मिक त्योहार मनाने के लिए किसी अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता न पड़े।

37 कंपनियां बांग्लादेश से भारत को हिल्शा मछली निर्यात करेंगी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने मंगलवार को एक घोषणा में कहा कि बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने दुर्गा पूजा के अवसर पर 37 कंपनियों के पक्ष में कुछ शर्तों के साथ भारत को 1,200 टन हिल्शा मछली के निर्यात को मंजूरी दे दी है। निर्यात की अवधि 16 सितंबर से पांच अक्टूबर, 2025 तक निर्धारित की गई है।

हिल्सा मछली के निर्यात के लिए लगाई गई शर्तें

बांग्लादेश सरकार द्वारा हिल्सा मछली के निर्यात के लिए लगाई गई शर्तें हैं कि निर्यात नीति 2024-27 के नियमों और विनियमों का पालन किया जाना चाहिए। प्रति किलोग्राम हिल्शा का निर्यात मूल्य कम से कम 12.5 अमेरिकी डॉलर होना चाहिए।

भीषण होगी रूस-यूक्रेन की जंग

भारी हथियार भेजने जा रहा अमेरिका, ट्रंप ने यूरोपीय देशों से लिए पैसे

कीव, एजेंसी। अमेरिका ने यूक्रेन को हथियार सहायता भेजने के लिए अपने पहले पैकेज को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार, यह पैकेज जल्द ही कीव को भेजा जा सकता है। खास बात यह है कि इस बार हथियारों की आपूर्ति एक नए वित्तीय समझौते के तहत होगी, जिसमें अमेरिका के साथ नाटो के सहयोगी देश भी शामिल हैं। यह पहली बार है जब अमेरिका और उसके सहयोगियों ने 'प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकताओं की सूची' नामक नई प्रणाली का उपयोग किया है। इसके तहत नाटो देशों के फंड से अमेरिकी हथियार भंडार से यूक्रेन को सैन्य सहायता दी जाएगी। रक्षा नीति के लिए अंडरसेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने इस योजना के अंतर्गत करीब 500-500 मिलियन डॉलर मूल्य के दो शिपमेंट्स को मंजूरी दी है। यानी इस बार अमेरिका केवल अपने पैसों से यूक्रेन को हथियार नहीं भेज रहा है बल्कि ट्रंप सरकार ने नाटों देशों से खूब पैसे लिए हैं। समाचार एजेंसी रायटर्स ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि, इस व्यवस्था के जरिए अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी लगभग 10 अरब डॉलर तक के हथियार यूक्रेन को मुहैया कराने की तैयारी कर रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो दूसरी बार अस्पताल में भर्ती

तख्तापलट मामले में सजा के बाद बिगड़ी तबीयत

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को दूसरी बार अस्पताल ले जाया गया। पिछले हफ्ते तख्तापलट की कोशिश के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। उनके बेटे ने बताया कि इस बार उन्हें उल्टियां और लो ब्लड प्रेशर की शिकायत हुई। दक्षिणपंथी राजनेता बोल्सोनारो को रविवार को भी राजधानी ब्रासीलिया के उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब उनकी त्वचा पर घाव पाए गए थे। तब डॉक्टरों ने कहा था कि जांच में पता चला है कि उन्हें आयरन की कमी से एनीमिया है और हाल ही में हुए निमोनिया के लक्षण भी मिले थे।

हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की हुई समस्या: मंगलवार को बोल्सोनारो को तेज हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की समस्या हुई, जिसके बाद पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई। उनके बेटे सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी।

पैनल ने 27 साल और तीन महीने की सुनाई है सजा: बीते बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के एक पैनल ने बोल्सोनारो को वर्तमान राष्ट्रपति लईज इनासियो लूला दा सिल्वा से 2022 में चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए अवैध रूप से तख्तापलट की कोशिश का दोषी पाया था। पैनल ने बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की सजा सुनाई। हालांकि, इस सजा के तहत बोल्सोनारो को तुरंत जेल नहीं भेजा जाएगा। अदालत को फैसले की पूरी कॉपी जारी करने में 60 दिन तक का समय लगेगा और इसके बाद बोल्सोनारो के वकीलों को अपील के लिए 5 दिन का समय मिलेगा।

कैनेडी के खिलाफ गवाही देंगी सीडीसी की बर्खास्त प्रमुख

बिना सबूत वैक्सीन को मंजूरी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की बर्खास्त निदेशक सुजैन मोनारेज सीनेट के सामने गवाही देंगी। इस गवाही में मोनोरेज सीनेटरों को बताएंगी कि स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने उन पर वैज्ञानिक प्रमाण देखे बिना नई वैक्सीन सिफारिशों का समर्थन करने का दबाव डाला था।

सीनेट के सामने यह सुनवाई बुधवार को होगी। गवाही की प्रति मीडिया में लीक हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोनोरेज गवाही में ये भी बताएंगी कि कैनेडी ने उन्हें अल्टीमेटम दिया था या तो वे वैक्सीन को मंजूरी दें या फिर उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा। मोनोरेज ने कहा कि वैक्सीन की सुरक्षा पर संदेह भी है।

सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी मोनोरेज: गौरतलब है कि मोनोरेज को कैनेडी ने ही सीडीसी प्रमुख के रूप में चुना था, जिन्हें बाद में ट्रंप ने नामित किया। हालांकि उनके पद ग्रहण करने के कुछ ही हफ्तों बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। अपनी बर्खास्तगी को लेकर मोनोरेज सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी। गवाही की प्रति के अनुसार, मोनारेज सीनेटरों के सामने अपनी शुरुआती गवाही में कहेंगी, दबाव में भी, मैं सबूतों की जगह विचारधारा नहीं ला सकती थी या अपनी ईमानदारी से समझौता नहीं कर सकती थी। टीकाकरण नीति विश्वसनीय आंकड़ों से चलनी चाहिए, न कि पूर्व निर्धारित परिणामों से।

जनता के लिए वैक्सीन की सिफारिश करती है सीडीसी: मोनारेज ने यह भी दावा किया कि कैनेडी ने उन्हें बिना किसी कारण के सीडीसी के कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को नौकरी से निकालने का निर्देश दिया था। सीडीसी अमेरिका की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी है, जो जनता को टीकों की सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है। सीनेट की सुनवाई वैक्सीन के बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर केंद्रित होगी। मोनारेज के अलावा पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डेबरा होउरी, भी समिति के सामने गवाही देंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने आरोपों को खारिज किया: वहीं स्वास्थ्य मंत्री कैनेडी ने मोनारेज के उन आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, उन्होंने इस महीने की शुरुआत में सीनेट की एक सुनवाई के दौरान स्वीकार किया था कि उन्होंने मोनारेज को सीडीसी के कई शीर्ष अधिकारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया था। सीनेट की यह सुनवाई अटलांटा में वैक्सीन पैनल के दो दिवसीय सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हो रही है, जिसमें कोविड-19, हेपेटाइटिस बी और चिकनपॉक्स के टीकों पर चर्चा होगी।

स्लोवाकिया में प्रधानमंत्री फिको की आर्थिक और रूस समर्थक नीतियों के खिलाफ नाराजगी, सड़क पर हजारों लोग

ब्रातिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया में प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की आर्थिक नीतियों और रूस समर्थक रुख के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। 16 बड़े शहरों और कस्बों में हजारों लोग मंगलवार को सड़कों पर उतरे। देश की राजधानी ब्रातिस्लावा सहित पूरे देश में प्रदर्शन हुए। जनता के गुस्से का नेतृत्व विपक्षी राजनीतिक दलों ने किया। हालिया विरोध के उग्र होने का कारण पीएम फिको की चीन यात्रा और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तीसरी बार मुलाकात को माना जा रहा है। पीएम फिको नीत सरकार ने हाल ही में कठोर आर्थिक पैकेज को भी स्वीकृति दी है। इसके खिलाफ भी जनाक्रोश बढ़ रहा है।

खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़े, छुट्टियों में भी कटौती: सरकार का कहना है कि फैसले लिए जाने जरूरी हैं क्योंकि 2023 में देश का बजट घाटा जीडीपी का 5.3 प्रतिशत था, जो यूरो अपनाने वाले देशों में दूसरा सबसे ऊंचा स्तर था। इस वर्ष भी घाटा 5 प्रतिशत से अधिक रहने की आशंका है, जबकि यूरोपीय संघ की सीमा 3 प्रतिशत है। इन उपायों में स्वास्थ्य और सामाजिक बीमा पर वृद्धि, उच्च आय वर्ग पर आयकर बढ़ाना, कुछ खाद्य उत्पादों पर वैट में इजाफा और राष्ट्रीय छुट्टियों में कटौती शामिल है।

विरोधी पार्टी की नेता का दावा- जनता अब फिको से तंग आ चुकी है

श्रमिक संगठनों और आलोचकों ने आरोप लगाया है कि इन उपायों का बोझ आम लोगों पर पड़ेगा। देश के व्यापार जगत का कहना है कि इसमें अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने वाला कुछ नहीं है। विरोध प्रदर्शन में प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी के प्रमुख मिखाल शिमेका ने कहा कि लोग अब फिको से तंग आ चुके हैं। उनकी पार्टी ने स्वतंत्रता और एकजुटता, क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स और डेमोक्रेट्स दलों के साथ मिलकर प्रदर्शन आयोजित किए। कुछ नेताओं ने आम हड़ताल की चेतावनी भी दी।

प्रधानमंत्री को कुर्सी से हटाने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी

प्रदर्शनकारियों ने हमें फिको से छुटकारा चाहिए जैसे नारे लगाए। यह आंदोलन पिछले सप्ताह भी भड़का था जब प्रधानमंत्री फिको ने बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आमंत्रण पर आयोजित सैन्य परेड में हिस्सा लिया था। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में फिको अकेले नेता थे जो इस परेड में मौजूद रहे। आलोचकों का कहना है कि फिको स्लोवाकिया को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की तरह उसी रास्ते पर ले जा रहे हैं, जिन्हें अक्सर अलोकतांत्रिक कहा जाता है।

फिलिस्तीन पर हफ्ते भर में जापान का यू-टर्न?

मान्यता देने पर अब क्यों कर रहा अगर-मगर, संयुक्त राष्ट्र में भी किनारा

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिका के मित्र देश जापान ने युद्धग्रस्त फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। जापानी अखबार असाही की रिपोर्ट के अनुसार, जापान अमेरिका के साथ संबंधों को देखते हुए फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। अखबार ने सरकारी सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि जापान फिलहाल फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देगा। ऐसा संभवतः अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखने और इजरायल के सख्त रवैये से बचने के लिए किया जा रहा है।

ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित कई सरकारों ने कहा है कि वे इस महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ़िलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता देंगे, जिससे इस क्षेत्र में इजरायल की गतिविधियों को लेकर उस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ गया है। भारत पहले ही फिलिस्तीन को यह दर्जा दे चुका है और संयुक्त राष्ट्र में मौजूदा प्रस्ताव का समर्थन किया है। असाही ने अपनी रिपोर्ट में ये भी कहा है कि जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की बैठक के दौरान इज़रायल और फ़िलिस्तीनियों के बीच द्वि-राज्य समाधान (टू स्टेट सॉल्युशन) पर होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे।

अमेरिका ने किया था मान मनौव्वल: क्योदो समाचार एजेंसी ने पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिका ने कई राजनयिक माध्यमों से जापान को फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने के लिए मान मनौव्वल किया था, जबकि फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने अपने जापानी समकक्ष से इसे मान्यता देने का पुरजोर आग्रह किया था। हालांकि, जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया ने मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा था कि जापान फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने के मुद्दे पर, उचित समय और तौर-तरीकों सहित, एक व्यापक मूल्यांकन कर रहा है।

हफ्ते भर में रुख में बदलाव: शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में, जापान उन 142 देशों में शामिल था जिन्होंने द्वि-राज्य समाधान की दिशा में ठोस, समयबद्ध और अपरिवर्तनीय कदमों की रूपरेखा वाले एक घोषणापत्र के पक्ष में मतदान किया था।

नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने मंगल पर दिए जीवन के संकेत

संभावित बायोसिग्नेचर और जैविक कार्बन भी खोजा

वाशिंगटन, एजेंसी। मंगल पर जीवन के कुछ और संकेत मिले हैं। नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने जेजेरो क्रेटर के ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन क्षेत्र में ऐसे रासायनिक-खनिज संकेत दर्ज किए हैं। इन्हें वैज्ञानिक बायोसिग्नेचर मान रहे हैं। बायोसिग्नेचर उन भौतिक, रासायनिक या संरचनात्मक संकेतों को कहते हैं जो बताते हैं कि कभी किसी ग्रह पर जीवन की गतिविधि हुई होंगी। यह जीवन के पक्के सबूत नहीं हैं, लेकिन यदि यह साक्ष्य सूक्ष्म जीवों से जुड़ा निकला तो इतिहास की बड़ी खोज साबित हो सकता है।

सूक्ष्म जीवों का योगदान या भूगर्भीय प्रक्रिया : खोज की 2 संभावनाएं हैं। पहली, ये खनिज व संरचनाएं केवल भूगर्भीय प्रक्रियाओं से बनी हों। दूसरी, इनमें अरबों वर्ष पूर्व मौजूद सूक्ष्मजीवों का योगदान रहा हो। सल्फर आधारित संकेत सामान्यत : उच्च तापमान पर बनते हैं, लेकिन यहां उच्च तापमान के प्रमाण नहीं मिले। यह पहलू सूक्ष्मजीवों की भूमिका को पूरी तरह नकारने नहीं देता।

सैंपल रिटर्न मिशन की अहमियत : पर्सिवियरेंस रोवर ने ब्राइट एंजेल के सैफायर कैन्यन से एक कोर सैंपल इकट्ठा किया है। यह नमूना फिलहाल सुरक्षित ट्यूब में रखा है। वैज्ञानिक चाहते हैं कि इसे भविष्य में पृथ्वी पर लाकर उन्नत प्रयोगशालाओं में विश्लेषण किया जाए। इससे कार्बन आइसोटोप, खनिज संरचना और सूक्ष्म जीवाश्म जैसे संकेतों की जांच संभव होगी।

सबसे बड़ी खोज संभव : शोधकर्ताओं का कहना है कि यह खोज जीवन का अंतिम प्रमाण नहीं है, लेकिन संभावित बायोसिग्नेचर है। यह बड़ी खोज हो सकती है। इससे हमें यह पता लगेगा कि पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत कैसे हुई और क्या ब्रह्मांड में कहीं और भी जीवन है।

पृथ्वी-मंगल की समानता : अरबों वर्ष पूर्व मंगल व पृथ्वी पर समान रासायनिक प्रक्रियाएं हो रही थीं। पृथ्वी पर तब सूक्ष्मजीव लोहे व सल्फर से ऊर्जा लेते थे। फर्क इतना है कि पृथ्वी की प्लेट टेक्टोनिक्स ने पुराने पत्थरों की संरचना बदल दी, जबकि मंगल पर वे सुरक्षित हैं।

ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन जेजेरो क्रेटर का महीन चट्टानों से भरा क्षेत्र है। ये चट्टानें अरबों वर्ष पूर्व बहते पानी से बनी थीं। यहां रोवर ने लोहे का ऑक्साइड, फास्फोरस, सल्फर और सबसे खास जैविक कार्बन खोजा। जैविक कार्बन जीवन का आधार है। जांच में कई अनोखी आकृतियां सामने आईं। छोटे गोल दाने (पॉप्पी सीड्स) व धब्बेदार पैटर्न (लेपर्ड स्पॉट्स) में विवियनाइट व ग्रेगाइट जैसे खनिज पाए गए, जो पृथ्वी पर पानी से भरे, कम तापमान वाले वातावरण में बनते हैं।

अमेरिका का लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता चीनी जासूस निकला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर में लोकतंत्र समर्थक समूह का नेतृत्व करने वाले चीनी मूल के नागरिक पर बीजिंग के लिए जासूसी करने का आरोप तय हुआ है। आरोपी द्वारा अपने साथी चीनी कार्यकर्ताओं की जासूसी चीन की खुफिया एजेंसी से की जा रही थी। आरोपी की पहचान 68 वर्षीय युआनजुन तांग के रूप में हुई है, जो सार्वजनिक तौर पर तो चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का मुखर आलोचक था, लेकिन असल में वह अपने साथी कार्यकर्ताओं की जासूसी करता था। वह कई बार मैनहट्टन स्थित वाणिज्य दूतावास के बाहर चीन के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में भी शामिल हुआ। तांग साल 2002 से अमेरिका के न्यूयॉर्क में रह रहा था।

पिछले अगस्त में तांग के खिलाफ आरोप लगाने वाले संघीय अभियोजकों ने बताया कि तांग ने चीन में रह रहे अपने परिवार के सदस्यों से मिलने की अनुमति पाने के लिए ये काम स्वीकार किए थे। एफबीआई के सहायक निदेशक क्रिस्टोफर जी. राया ने एक बयान में कहा, चीनी सरकार को लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं का दमन करने में मदद करने के लिए तांग द्वारा अमेरिका के आदर्शों के साथ विश्वासघात किया गया, यह उन्हीं मूल्यों के खिलाफ है, जिनके प्रचार का उन्होंने दावा किया था।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

वी.ई. कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड, बगरौदा में शैक्षिक भ्रमण

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ के समाजकार्य विभाग द्वारा दिनांक 16 सितम्बर 2025 को छात्रों के लिए वी.ई. कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड, बगरौदा, भोपाल में शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। यह भ्रमण समाजकार्य के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ, जहाँ उन्होंने कंपनी के संचालन, औद्योगिक प्रबंधन और कर्मचारी कल्याण संबंधी प्रक्रियाओं को निकट से समझा।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री सुमंत पॉल (डी.एम. 7 एच.आर.) द्वारा कंपनी की संरचना, संचालन एवं नीतियों पर विस्तृत परिचय से हुई।

साथ ही पूर्व छात्र दीपक शर्मा (जूनियर मैनेजर आई.आर.) तथा अन्य विभागीय प्रतिनिधियों ने छात्रों को औद्योगिक कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस भ्रमण का समन्वय श्री अतुल विश्वकर्मा (फील्ड वर्क कोऑर्डिनेटर एवं नेटवर्किंग कोऑर्डिनेटर – प्रोजेक्ट) तथा श्री रामनारायण विश्वकर्मा (ट्रेनिंग ऑफिसर एवं प्रोजेक्ट एसोसिएट, प्रोजेक्ट सेल) द्वारा किया गया। समाजकार्य विभाग, BSSS इस अवसर के लिए वी.ई. कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड के प्रबंधन का हार्दिक आभार व्यक्त करता है। यह भ्रमण विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जिला चिकित्सालय रीवा में 21 करोड़ से अधिक लागत की स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं का किया लोकार्पण

जिला चिकित्सालय रीवा विस्तारित होकर 300 बिस्तर का होगा

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा को स्वास्थ्य क्षेत्र में अग्रणी बनाना है। स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं का विस्तार, मशीनों एवं चिकित्सकों व चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय रीवा का उन्नयन कर 300 बिस्तर का किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जिला चिकित्सालय रीवा में 8 करोड़ 88 लाख रूपये की लागत से निर्मित नवीन ओपीडी सहित 13 करोड़ 65 लाख रूपये से बनाये गये चिकित्सालय विस्तार भवन व कनेक्टिंग कॉरीडोर का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मरीजों के लिये चिकित्सक भगवान के समान है। इसी प्रकार डॉक्टर को भी मरीज को भगवान मानकर इलाज करना चाहिए तभी वह सफल चिकित्सक होगा। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित ओपीडी में मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिये संकेतक लगाये साथ ही रिसेप्शन में सभी को उचित परामर्श व जानकारी उपलब्ध हो तथा साफ-सफाई बेहतर रहे। सेवा पखवाड़े में स्वस्थ नारी सशक्त समाज को प्राथमिकता दी गई है। सभी गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर जांच की जाय और उन्हें चिकित्सकीय उपचार मुहैया हो। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अमले से अपेक्षा की कि जिले में मातृ मृत्युदर व शिशु मृत्यु दर को कम करने की चुनौती को अवसर के तौर पर लें ताकि समन्वित प्रयास से रीवा जिले व प्रदेश में आने वाले तीन माह में इसमें राष्टीय स्वास्थ्य सूचकांक के अनुरूप सुधार आ सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य शिविरों सहित चिकित्सालयों में पखवाड़े में मरीजों की स्क्रीनिंग करें और उसे पोर्टल में फीड करायें। सांसद श्री जनार्दन मिश्र, पूर्व मंत्री श्री पुष्पराज सिंह ने विचार व्यक्त किए। सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा ने जिला चिकित्सालय में उपलब्ध संसाधनों की जानकारी दी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गुजरात के नगरीय निकाय दल ने निगम, भोपाल के कचरा प्रबंधन एवं नवाचारों की सराहना की

गुजरात के विभिन्न नगरीय निकायों के 10 सदस्यीय दल ने नगर निगम के कचरा प्रबंधन और नवाचारों का किया अवलोकन

भोपाल निप्र। गुजरात के विभिन्न नगरीय निकायों के प्रतिनिधि मंडल ने दो दिवसीय भोपाल भ्रमण के दौरान नगर निगम, भोपाल द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्यों, कचरा प्रबंधन एवं नवाचारों का अवलोकन किया और निगम द्वारा कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना की। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन से मुलाकात कर कचरा प्रबंधन एवं नवाचारों के संबंध में चर्चा की तथा कचरा प्रबंधन एवं नवाचारों को अपने यहां भी लागू करने की बात कही। गुजरात के विभिन्न नगरीय निकायों के 10 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में बोटाड के जोतनिया धर्मिष्ठा, त्रासदिया निरूबेन पी, चूड़ास्मा सोनल बेन, बावलिया संदीप भाई, जड़ेजा महिपाल सिंह वी., जेठवानी मनीष के., मोलिया शैलेष एस., काकेश भाई सोलंकी, मानवेन्द्र सिंह, जयदीप राणा ने नगर निगम, भोपाल के गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन, कचरा पृथक्कीकरण, संग्रहण एवं निष्पादन की प्रक्रिया का अवलोकन किया और थुआंखेड़ा में सी.एण्ड.डी प्लांट का अवलोकन कर उससे उत्पादित वस्तुओं का भी अवलोकन किया एवं जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिधि मंडल ने अन्ना नगर स्थित टेक्सटाईल रिकवरी सेंटर, कचरा कैफे और रिसाईकिल हब का भी अवलोकन किया और जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिधि मंडल ने स्वच्छता के क्षेत्र में भोपाल शहर के लिए सकारात्मक सोच एम्बेसडर ग्रुप के कार्यों का भी अवलोकन किया। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन से गुजरात के विभिन्न नगरीय निकायों के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की और निगम आयुक्त श्री नारायन ने स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और नवाचारों के संबंध में जानकारी दी। निगम आयुक्त श्री नारायन से मुलाकात में प्रतिनिधि मंडल ने नगर निगम, भोपाल द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और नवाचारों की सराहना की तथा इन्हें अपने यहां भी लागू करने की बात कही।

हिंदी, भारतीय भाषाओं के बीच संवाद की एक सेतु भाषा है : ऋषि कुमार शर्मा

भोपाल, नप्र। अन्तर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच द्वारा हिन्दी पखवाड़े में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में अहिन्दी भाषी साहित्यकारों का सम्मान व परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अहिन्दी भाषी साहित्यकार सुश्री पारमिता षड़ंगी (ओड़िआ), डॉ. विनीता राहुरिकर (मराठी) और डॉ. सबीहा रहमानी (उर्दू) को सम्मानित किया गया।

स्वागत वक्तव्य देते हुए अन्तर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच की संस्थापक अध्यक्ष सुश्री संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि .. हिन्दी की स्वीकार्यता इसके लचीलापन, प्रभावशाली अभिव्यक्ति और व्यापक उपयोग प्रादेशिक और वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रही है। परिचर्चा का विषय था, भारतीय भाषाओं में हिन्दी की स्वीकार्यता

इस विषय पर बोलते हुए विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर ज्योति गजभिए ने कहा कि संपर्क भाषा के रूप में दूसरे अहिंदी भाषी प्रदेशों में भी हिंदी का उपयोग हो रहा है। टू मीडिया के प्रधान संपादक श्री ओमप्रकाश प्रजापति जिनका कार्यक्रम में विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ, उन्होंने कहा कि ÷डिजिटल मीडिया में हिन्दी का वर्चस्व दिखाई देता है।÷ साथ ही उन्होंने एक अनुकरणीय बात कही कि फोटो खिंचवाते या सेल्फी लेते समय चीज़ या पनीर के बदले हिन्दी कहा जाये। मुख्य अतिथि, हिन्दी अकादमी दिल्ली के पूर्व उपसचिव श्री ऋषि कुमार शर्मा ने कहा कि संस्कृति,विचार और भावनाओं में राजनीति का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। जितना किसी बात का विरोध होता है, उतनी ही तीव्रता से वो बढ़ती है। यही बात हिन्दी के विरोध की है।

कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ और सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री प्रबोध कुमार गोविल ने हिन्दी के संदर्भ में कहा कि भाव,भाषा और भावनाओं को परे करने से विवाद होते हैं, पर साहित्यकार आशंकाओं को संभावनाओं को बढ़ा देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भिन्न - भिन्न भाषाओं के साहित्यकार हिन्दी में सतत लेखन कर रहे हैं, स्वतः ही हिन्दी समृद्ध हो रही है। परिचर्चा के रोचक विषय पर श्रोताओं ने भी खुलकर भाग लिया और अपने विदेशो के किस्से भी सुनाएं। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न शहरों से एवं विदेशों से भी बड़ी संख्या में साहित्यकारों ने भाग लिया कार्यक्रम का संचालन अन्तर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच की निदेशक सुश्री महिमा श्रीवास्तव वर्मा ने किया। आभार ज्ञापन का दायित्व अन्तर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच की मंत्री संचालक सुश्री जया केतकी शर्मा ने किया।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न

भोपाल, नप्र। अध्यक्ष, जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा एवं सांसद लोकसभा क्षेत्र भोपाल श्री आलोक शर्मा ने भोपाल जिले के 70 प्लस सभी बुजुर्ग नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आगामी सेवा पखवाड़ा सप्ताह में भोपाल नगरीय निकायों के वार्डों में नगर निगम एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत के साथ मिलकर संयुक्त दलों का गठन कर कार्य करने और 151505 वृद्ध नागरिकों के आयुष्मान बनाए जाने के निर्देश दिए। स्मार्ट सिटी की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष श्री शर्मा ने पर्यटन का मुख्य केंद्र बनाए जाने के लिए आने वाले टूरिस्ट वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था करने साथ ही सदर मंजिल के आस पास के गौहर महल वीआइपी रोड को स्काई वॉक के माध्यम से जोड़ने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पीएम-ई बस सेवा (फेस-1) नगरीय बस सेवा संत हिरदाराम नगर कस्तूरबा नगर 100 बस ऑपरेटर एव डिपो का चयन हो गया है। आगामी वर्ष के प्रथम तिमाही में बसे प्राप्त कर संचालन प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। पीएम-ई बस सेवा (फेस-2 आरिफ नगर कोला रोड कजलीखेड़ा 95,केंद्र शासन से स्वीकृति प्रॉपर्टी एंव केंद्र द्वारा निदिदा प्रक्रिया कर बस ऑपरेटर का चयन किया जाएगा। बस डिपो के डिजाईन एवं ड्राइंग की कार्यवाही BMC / BCLL द्वारा की जायेगी। समीक्षा बैठक में आबकारी विभाग के अधिकारी को शराब की दुकानों को समय सीमा में खुलने एवं अवैध शराब पर शक्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विधायक श्री भगवान दास सबनानी, विधायक श्री आतिफ आरिफ अकील, महापौर श्रीमती मालती राय अन्य विधायक, जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, सहित कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री हरेंद्र नारायण, स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती अंजू अरुण कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी, एडीएम श्री अंकुर मेश्राम सहित सभी एसडीएम एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

गर्ल्स कॉलेज में एनएसएस इकाई एवं रेड रिबन क्लब द्वारा जागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन

भोपाल, नप्र। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल की एनएसएस इकाई एवं रेड रिबन क्लब ने समाजहित एवं जनजागरूकता को ध्यान में रखते हुए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसके अन्तर्गत यूजीसी द्वारा निर्देशित स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बोरवन पार्क, बैरागढ़ में सफाई अभियान चलाया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वच्छ भारत ही स्वस्थ भारत का आधार है का संदेश देकर सभी को स्वच्छता अपनाने हेतु प्रेरित किया।

इसके बाद 13 सितम्बर को ग्राम मुगलिया हाट में साक्षरता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यालयीन बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई तथा कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा उन्हें डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया गया। बच्चों ने इन विषयों को उत्साहपूर्वक ग्रहण किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रेड रिबन क्लब द्वारा मंचित एड्स जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक रहा। इस नाटक ने समाज में स्वास्थ्य जागरूकता और जिम्मेदार आचरण का सशक्त संदेश दिया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा एनएसएस स्वयंसेवकों का यह प्रयास समाज में शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने का उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भाव और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रबल करते हैं। एनएसएस इकाई और रेड रिबन क्लब की यह पहल समाजहित में महत्वपूर्ण रही, जिसने न केवल बच्चों के बीच ज्ञान का संचार किया बल्कि समुदाय में भी जागरूकता और सकारात्मक संदेश स्थापित किया। इसी के साथ महाविद्यालय में ओजोन दिवस के अवसर पर भौतिकी विभाग और नेचर्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता बढ़ाने हेतु विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर छात्राओं ने भाषण प्रस्तुत किया और स्किट का मंचन किया, जिसमें ओजोन परत के महत्व और उसके संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि ओजोन परत पृथ्वी की सुरक्षा कवच है और इसके संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होकर पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनानी चाहिए। महाविद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन पर एन. एस. एस. इकाई, भौतिकी विभाग और नेचर्स क्लब की शिक्षिकाओं को बधाई दी।

खाने के पैकेट की तरह शाकाहारी और मांसाहारी होटलों को भी लाल-हरे चिह्न से पहचान दिलाने की तैयारी

भोपाल, नप्र।

शाकाहारी और मांसाहारी भोजन परोसने वाले होटलों और उनके मालिकों की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित करने मध्य प्रदेश सरकार ऐसी व्यवस्था करवाने की तैयारी कर रही है ताकि बाहर से ही पता चल जाए कि होटल में भोजन शाकाहारी है या मांसाहारी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के एक्ट में ऐसा प्रविधान करवाने का प्रयास है कि होटल-रेस्टोरेंट के बाहर लगने वाले बोर्ड में पूर्णतः शाकाहारी के लिए हरा गोल निशान और पूर्णतः मांसाहारी के लिए लाल गोल निशान लगाया जाए। खाने के पैकेट पर भी इस तरह के निशान अनिवार्य रूप से लगाए जाते हैं, जिससे कोई भी व्यक्ति आसानी से समझ लेता है।

संशोधन होने पर देशभर में लागू हो जाएगी व्यवस्था : यदि होटल-रेस्टोरेंट में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह का भोजन मिलता है तो आधा हरा और आधा लाल निशान रखने का भी प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त होटल चलाने का लाइसेंस लेने वाले का नाम भी बोर्ड पर लिखना अनिवार्य करवाने का सुझाव दिया गया है। एफएसएसएआइ इसका परीक्षण कर ड्राफ्ट जारी करेगा। इसके बाद एफएसएसएआई के एक्ट में इसे लेकर संशोधन की उम्मीद है। संशोधन होने पर यह व्यवस्था मध्य प्रदेश ही नहीं देशभर में लागू करना अनिवार्य हो जाएगी। इसके अतिरिक्त कई बार होटल के बोर्ड से उसके मालिक का पता नहीं चलता।

इस तरह का मामला तब चर्चा में आया था जब कावड़ यात्रा के दौरान इसी वर्ष उत्तर प्रदेश में मेरठ के आसपास कुछ होटलों के बाहर लगे बोर्ड में होटलों के नाम हिंदू रीति-रिवाज वाले थे पर उनके मालिक अन्य समुदाय के थे।

भोपाल में डंपर और यात्री बस की टक्कर

बस हादसे के समय बस में सवार थे 20-25 यात्री, तीन को गंभीर चोट आई

भोपाल, नप्र। उज्जैन से इंदौर हो नागपुर जा रही बीआर ट्रेवल्स की बस भोपाल में भौंरी के पहले 11 मिल शायम पैलेस होटल के पास डंपर से टकराई। हादसे में ड्राइवर को गंभीर चोट आई है। साथ ही एक यात्री और कंडक्टर घायल है। हादसा रात करीब 2:30 से 3 बजे के बीच हुआ। जब यात्री सो रहे थे। बताया जा रहा है कि निर्माण धीन ब्रिज के पास फाइबर के स्टॉपर रखे थे। जहां अचानक डंपर चालक ने ब्रेक लगा दिए। इस दौरान पीछे से आ रही बीआर ट्रेवल्स की बस बेकाबू हो डंपर से जा टकराई। घटना के वक़्त बस में करीब 30 यात्री मौजूद थे। सभी को मामूली चोटें आई है। हादसा भोपाल के बाईपास स्थित थाना खजूरी सड़क का है। घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर थाना खजूरी सड़क में नाइट ड्यूटी पर तैनात बनवारी लाल साहू सब इंस्पेक्टर सहित अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और बुरी तरह डंपर से बस की टक्कर के बाद बस ड्राइवर मोहर सिंह को निकल गया। जिसके पैर बुरी तरह बस के टकराने के बाद स्टेरिंग के नीचे फंस गए थे। हादसे में बस के ड्राइवर प्रकाश निवासी उज्जैन, कंडक्टर किरण पुत्र राधेश्याम सहित यात्री चेतन पुत्र बाबूलाल निवासी बैरसिया को गंभीर चोट आई हैं। तत्काल गंभीर घायलों को 108 की मदद से पुलिस व अन्य राहगीरों की मदद से हमीदिया भेजा गया। जहां उनका उपचार जारी है। घटना में एक दर्जन से अधिक यात्रियों को मामूली चोट थीं। सभी को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं, गंभीर घायल तीनों व्यक्तियों का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। ड्राइवर मोहर सिंह और किरण के दोनों पांव फ्रैक्चर हो गए हैं।

नाईट ड्यूटी पुलिस अधिकारियों ने पहले ड्राइवर को निकाला

बस और डंपर की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का ड्राइवर मनोहर के पैर बुरी तरह फंस गए। मौके पर पहुँचे नाईट अधिकारी एस आई बनवारी लाल साहू सहित स्टाफ़ ने पहले ड्राइवर को मुश्किल से निकला और उसके साथ घटना में घायल 3 यात्रियों को तत्काल हमीदिया अस्पताल भेजा। हादसा भौरी के पहले 11 मिल के पास रात करीब 2:30 से 3 बजे मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात हुआ।

बुंदेली गीतों के कार्यक्रम में बिखेरी सुरों की अनोखी छठा

भोपाल, नप्र। संस्कृति संचालनालय के सहयोग से लोक जागरण कला मंच, भोपाल द्वारा ग्राम पंचायत मुगालिया हाट में गत दिवस लोक गायन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में भाग लेने वाले गायक कलाकारों का सम्मान श्रीमती पुमपलता शर्मा, बुन्देली लोक गायिका तथा समाज सेवी तथा कार्यक्रम के औचक निरीक्षण हेतु पहुंची संस्कृति संचालनालय की अधिकारी भारती सिंह राजपूत.रा साल श्रीफल तथा पुमपहार तथा पुमपगुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री धर्मेन्द्र मारन,सरपंच ग्राम पंचायत मुगालिया हाट तथा विशेष अतिथि के रूप में श्री रविनीश तिवारी, अवर सचिव, संसदीय कार्य विभाग,उपस्थित रहे। लोक गायन के कार्यक्रम में कबीर के भजनों का गायन किया। गया जिसमें मुख्यरूप से भाग लेने वाले गायक कलाकार श्री सीताराम जी मीना, श्री किशोरी लाल मीना हारमोनियम में श्री राधेश्याम मीना ढोलाक पर श्री वेदप्रकाश मीना तथा तबले पर सुश्री आरती मारन में भाग लिया। हिंगलाज देवी के भजन का गायन श्री रामेश्वर भाटी, श्री सीताराम प्रजापति तमूरा वादक श्री सीताराम धनगर,मजीरा में श्री देवनारायण धनगर ,ढोलक पर विनोद पवार तथा साथी कलाकार कैलाश धनगर, एवं काशीराम धनगररा संयुक्त रूप से भजनो को गायन किया गया।

कार्यक्रम में महिला कलाकारों द्वारा बुन्देली भजनों का गायन किया गया जिसमें बुन्देली लोकगायिका श्रीमती पुमपलता शर्मा ,श्रीमती उमा तिवारी, श्रीमती रेखा नायक,श्रीमती सुमामा दुबे तथा ढोलक पर संगत कुमारी आरती मारन द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम देर रात तक चला कार्यक्रम के सफल आयोजन पर धर्मेन्द्र मारन, सरपंच मुगालिया हाट द्वारा अपनी राय दी गई तथा पुनः आयोजन कराने की मांग की गई। संस्कृति संचालनालय की अधिकारी, भारती राजपूत द्वारा गायक कलाकारों की प्रशंसा की तथा संरपंच की मांग पर पुनः कार्यक्रम आयोजित कराने का आश्वासन दिया, कार्यक्रम का आभार श्रीमती पुमपलता शर्मा ,अध्यक्ष, लोक जागर कला मंच भोपाल द्वारा किया गया।

आयुष विभाग को उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिलेगा प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड - 2025

भोपाल, नप्र। आयुष विभाग को प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड-2025 सम्मान आयुष ई-मॉनिटरिंग सिस्टम परियोजना के सफल क्रियान्वयन एवं उत्कृष्ट परिणाम के लिए प्रदान किया गया है। यह अवार्ड तीन चरणों की विस्तृत प्रस्तुतियाँ और दो चरणों की सार्वजनिक डिजिटल वोटिंग के बाद प्रदान किया गया, जो इस उपलब्धि की पारदर्शिता और गुणवत्ता की और अधिक प्रमाणित करता है। ÷स्कॉच अवॉर्ड-2025÷ का वितरण नई दिल्ली में आयोजित होने वाले स्कॉच समिट में मिलेगा।

आयुष विभाग, राज्य सरकार की मंशानुरूप परंपरागत चिकित्सा पद्धति को मुख्य धारा में लाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ क्रियाशील है। आयुष विभाग, आयुर्वेद जैसी भारतीय चिकित्सा पद्धति को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के समकक्ष स्थापित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। आयुष विभाग को देश के प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड 2025 से नवाजा जाना, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह अवॉर्ड, टीम भावना, नवाचार और उत्कृष्ट कार्यों सहित विविध मानको पर खरा उतरने पर दिया जाता है।

आयुष ई-मॉनिटरिंग के मुख्य उद्देश्य: आयुष ई-मॉनिटरिंग के मुख्य उद्देश्य प्रदेश के आयुष चिकित्सालयों और चिकित्सा महावि?द्यालयों में हक्क्ष में अधिकतम वृद्धि करना, अधिक से अधिक नागरिकों की आयुष सुविधा कवरेज में लाना, लोगों को स्वस्थ एवं रोगमुक्त बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण आयुष सेवाएं उपलब्ध कराना है। आयुष विभाग में इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक माह में दो बार वीडियो कॉन्फ्रेसिंग कर सभी आयुष चिकित्सा अधिकारियों एवं आयुष मेडिकल कॉलेज के साथ अनुभव साझा करना एवं समस्याओं का समाधान, कठोर निगरानी और मूल्यांकन हर केंद्र के प्रदर्शन की नियमित समीक्षा अनुभव करना एवं श्रेष्ठ प्रथाओं को बढ़ावा देना, प्रत्येक आयुष सुविधा की रैंकिंग प्रकाशित करना, प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण तैयार कर गुणवत्ता बढ़ाना, आयुष अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना, अस्पतालों और कॉलेजों में आधुनिक सुविधाओं का विकास करना जैसे अनेक नवाचार अपनाए है।

हर्षवर्धन-सोनम का नया गाना बोल कफारा क्या होगा रिलीज़ होते ही करने लगा ट्रेंड

जैसे-जैसे एक दीवाने की दीवानियत की रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, दर्शकों के बीच फिल्म का उत्साह देखते ही बन रहा है। ऐसे में, मेकर्स ने इसका बहुप्रतीक्षित गाना बोल कफारा क्या होगा रिलीज़ कर दिया है। इस गाने में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा नज़र आ रहे हैं, जो फिल्म की आत्मा को दर्शाता है कि प्यार कैसे जुनून, दर्द और विश्वासघात की आँधी में फँस चुका है।इस गीत को नेहा कक्कड़ और फरहान सबरी ने गाया है। इसका संगीत डीजे चेतस और लिजो जॉर्ज ने तैयार किया है और इसके बोल असीम रज़ा और समीर अंजान ने लिखे हैं। गाना आधुनिक धुनों के साथ गहरी और आत्मीय झंकार का सुंदर संगम है। यह गण रिलीज़ के साथ ही सभी प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड करने लगा है और फैंस इसकी दिल छू लेने वाली धुन और बेशकीमती आवाज़ों की जमकर तारीफ कर रहे हैं।गाने के बारे में अपनी खुशी जाहिर करते हुए नेहा कक्कड़ ने कहा, बोल कफारा क्या होगा एक ऐसा गीत है, जो प्यार और तड़प का बोझ अपने साथ लाता है। इसे गाना मेरे लिए एक भावुक अनुभव था, क्योंकि यह हर उस इंसान से जुड़ता है, जिसने कभी गहराई से प्यार किया हो या किसी को खोया हो। मुझे बहुत खुशी है कि लोग इसे इतनी शिद्दत से अपना रहे हैं।इस गाने के विज़ुअल्स इसे और भी दिलचस्प बना देते हैं। हर्षवर्धन और सोनम के गहन और खूबसूरत दृश्यों में उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री साफ झलकती है। ये विज़ुअल्स फिल्म की असली थीम को और उभारते हैं, जिसमें चाहत, दिल टूटने का दर्द और पागलपन भरा जुनून देखने को मिलता है। दोनों सितारों की जोड़ी पहले ही चर्चा में है और इस गाने ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।एक दीवाने की दीवानियत को अंशुल गर्ग ने देसी मूवीज़ फैक्ट्री के बैनर तले निर्मित किया है और राघव शर्मा इसके सह-निर्माता हैं। फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी ने किया है, जिसे उन्होंने मुश्ताक शेख के साथ मिलकर लिखा है और डायलॉग्स भी जावेरी ने ही दिए हैं।यह फिल्म इस दिवाली, 21 अक्टूबर, 2025 को रिलीज़ होगी। एक दीवाने की दीवानियत एक म्यूज़िकल ऑब्सेसिव रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें सशक्त कहानी और यादगार संगीत का शानदार मेल देखने को मिलेगा। फिल्म का टाइटल ट्रैक दीवानियत पहले ही धूम मचा चुका है और अब बोल कफारा क्या होगा के आने से दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ गया है।

बाप संग छापे 1000 करोड़, अब बेटे पर प्रभास ने खेला सबसे बड़ा दांव!

प्रभास अगले कुछ सालों के लिए तगड़ी तैयारी करके बैठे हैं. यही वजह है कि फिल्में बेशक अभी रिलीज से दूर हैं, पर काम तेजी से चल रहा है. 'कल्कि 2898एडी' के बाद वो 'कन्नप्पा' में दिखे थे, जिसमें महज कैमियो था. पर अब एक फिल्म की रिलीज डेट लगभग कंफर्म कर दी है. एक्टर की इस फिल्म का नाम है- द राजा साब. जिसे अगले साल की शुरुआत में रिलीज किया जाएगा. इसी बीच उनकी एक और बड़ी पिक्चर पर धांसू अपडेट आ गया है.प्रभास के खाते में जो बड़ी फिल्में हैं, उसमें है- 'द राजा साब', 'फौजी', 'स्पिरिट', एक प्रशांत वर्मा के साथ, 'सलार 2'. इसी बीच उनकी और हनु राघवपुड़ी की 'फौजी' को लेकर बड़ी जानकारी मिल रही है. कहा जा रहा है कि एक नई एंट्री करवाई जा रही है. फिल्म के डायरेक्टर ने बड़ी प्लानिंग के साथ किसी को चुना है.हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि प्रभास की 'फौजी' में अभिषेक बच्चन हो सकते हैं. दरअसल हनु राघवपुड़ी के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म के लिए उनसे बात की गई है. दरअसल यह एक ग्रैंड वॉर ड्रामा फिल्म होने वाली है. इसी बीच पता लगा कि फिल्म के लिए डायरेक्टर ने अभिषेक बच्चन को अप्रोच किया है. वो फिल्म में अहम किरदार में दिखाई देने वाले हैं. फिलहाल दोनों के बीच बातचीत जारी है. अगर सबकुछ परफेक्ट रहता है, तो अभिषेक बच्चन की तेलुगु सिनेमा में एंट्री देखने को मिलेगी. जो कि एकदम यूनिक पैन इंडिया कॉम्बिनेशन होगा.दरअसल फौजी को बड़े लेवल पर तैयार किया जा रहा है. ऐसे में फैन्स को फिल्म से काफी ज्यादा उम्मीदें हैं. ऐसे में अभिषेक बच्चन को फिल्म में लेना एक अच्छा फैसला हो सकता है. दरअसल वो शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म King का भी हिस्सा हैं. जिसे लेकर तगड़ा बज बना हुआ है. वो फिल्म में विलेन बन रहे हैं. अब देखना होगा कि प्रभास की फिल्म के लिए क्या फैसला लेते हैं. प्रभास की साल 2024 में कल्कि 2898एडी आई थी. जिसमें उनके साथ अमिताभ बच्चन ने काम किया था. साथ ही अपने अभिनय से सबके होश उड़ा दिए थे. फिल्म ने दुनियाभर से 1000 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था. वहीं पिछले साल की पहली ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई थी.

नानी स्टारर द पैराडाइज के लिए 5 महीने में तैयार हुआ विशाल स्लम सेट

साउथ सिनेमा के नेचुरल स्टार नानी इन दिनों अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म %द पैराडाइज% को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म का निर्माण बड़े स्तर पर किया जा रहा है। इस फिल्म को टैलेंटेड श्रीकांत ओडेला डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में दसरा की जबरदस्त सफलता हासिल की है। द पैराडाइज% पहले से ही भारत की सबसे ज्यादा इंतज़ार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन चुकी है। ऐसे में, मेकर्स इस बार फिल्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा स्लम सेट बना रहे हैं। इस बार भी फिल्म को एक बड़े सिनेमैटिक स्पेक्टेकल की तरह पेश किया जा रहा है। टीम ने इसके लिए एक बेहद विशाल स्लम सेट तैयार किया है, जिसे बनाना अपने आप में चैलेंजिंग काम था।द पैराडाइज के लिए एक अनोखा सेट बनाने में आर्ट डिपार्टमेंट ने डायरेक्शन टीम, एक्शन टीम और सॉन्ग कोरियोग्राफर्स के साथ मिलकर दिन-रात मेहनत की है। असली चुनौती यह थी कि स्लम को एक बड़े साम्राज्य की तरह दिखाया जाए। वैसे भी स्लम्स को रीक्रिएट करना बेहद चैलेंजिंग होता है, क्योंकि असल जिंदगी में वे खुद-ब-खुद छोटे-छोटे जगहों का हर इंच इस्तेमाल करके बना होता है। इसीलिए, सेट को कई छोटे-छोटे हिस्सों को मिलाकर एक बहुत बड़ा सेटअप बनाना पड़ा। इसके लिए कहानी के डेवलेपमेंट के लिए ख़ास जगहों की ज़रूरत थी, जिसमें बीच में एक बड़ा आर्च भी था, जो पूरे राज्य के महल को दिखाता था। ?इस काम में बहुत ज्यादा रिसर्च, मॉक-अप, मॉडल सेट बनाना और आखिर में असली सेट बनाना शामिल था, जिसमें मेकर्स को 5 महीने का लंबा समय लग गया। अभी भी दो और बड़े सेटअप पर काम चल रहा है। द पैराडाइज़ के प्रोडक्शन डिज़ाइनर अविनाश कोल्ला ने कहा, द पैराडाइज ऐसी फिल्म है जिसमें सेट बनाने के लिए एक बिल्कुल अलग एप्रोच की ज़रूरत थी।

बिग बॉस 19: अमाल और तान्या का लव एंगल रियल या फेक

सलमान खान का सबसे चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 19 इन दिनों काफी सुर्खियों में है. शो के पहले ही इविक्शन में नतालिया के साथ सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर नगमा मिराजकर घर से बाहर हो गई हैं. बिग बॉस के घर से बाहर आते हीहिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में नगमा ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं.फैंस के मुझे बहुत ही प्यारे मैसेजेस आ रहे हैं और वे सब यही कह रहे हैं कि मैं वापस जाऊं क्योंकि वे मुझे घर में बहुत मिस कर रहे हैं. मुझे ये देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि भले ही मैं शो में कम दिखी, लेकिन अगर इतना इंपैक्ट हुआ है, तो मैं बहुत ग्रेटफुल हूं. मेरा सफर भले ही छोटा रहा, लेकिन ये बहुत ही प्यारा था. मैं यही कहूंगी कि जो भी प्यार मुझे मिल रहा है, उसके लिए मैं इस शो की शुक्रगुजार रहूंगी. जो लोग मुझे नहीं जानते थे, वे भी आज कह रहे हैं कि मैंने जितना भी समय बिताया, वो उन्हें बहुत पसंद आया और यही मेरे लिए एक बड़ी जीत है. घर से बाहर आने के बाद आपने अमाल मलिक के आपको और आवेज को लेकर कुछ बयान जरूर सुने होंगे, उन्होंने कहा था वह आपको काम देते हैं और भी कई स्टेटमेंट थे, क्या आपको इन बातों से बुरा लगा?मुझे अमाल के कुछ बयान बहुत शॉकिंग लगे. हमारा उनके साथ घर के अंदर बहुत अच्छा रिश्ता था और उनसे ये उम्मीद बिल्कुल भी नहीं थी कि वह ऐसी बातें कहेंगे. उनके बयान दिल दुखाने वाले थे. अगर मुझे मौका मिला तो मैं उनसे जरूर मिलूंगी और पूछूंगी कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा. हम तो आवेज के साथ मिलकर उन्हें भाई बुलाते थे और सच में भाई जैसा मानते भी थे. ये सब पहले हफ्ते में ही हुआ, जबकि दूसरे हफ्ते में नॉमिनेशन के दौरान भी इतना कुछ नहीं हुआ था.उनकी सिर्फ एक बात नहीं है, बल्कि काफी सारी बातें हैं. आप इतने बड़े-बड़े स्टेटमेंट्स बोल रहे हैं जो शो से भी संबंधित नहीं हैं, तो वो चीजें मुझे अच्छी नहीं लगीं. उन्होंने जो भी कहा है, वो मुझे सही नहीं लगा. जब आप गेम में होते हैं, तो आपको गेम की तरह ही खेलना चाहिए. अगर आप पर्सनल जाते हैं तो वो गंदा हो जाता है और यह किसी के कैरेक्टर को डिस्कस करने की जगह नहीं है.देखिए, गुस्सा तो बहुत आता है. रही बात बाकी चीजों की, तो आवेज और मेरा जो रिश्ता है, वो काफी साफ और ट्रांसपेरेंट है. अब हमने शादी करने का फैसला कर लिया है, इसलिए मैं किसी भी नेगेटिव बात को अपने रिश्ते पर हावी नहीं होने देना चाहती. मैं आवेज से प्यार करती हूं और हमेशा उसके साथ खड़ी हूं. मैं सिर्फ अच्छी चीजों पर ध्यान देना चाहती हूं, जैसे हमारी शादी और उसकी तैयारियां.घर में कुछ लव एंगल भी बनते दिखे. आपको क्या लगता है कि तान्या मित्तल और अमाल का रिश्ता रियल है या सिर्फ गेम के लिए है?मुझे तो अब खुद ही नहीं समझ आ रहा है. बीच में मुझे बसीर और नतालिया का लग रहा था, लेकिन अब सबने बोल-बोलकर मेरे दिमाग में तान्या मित्तल और अमाल का नाम डाल दिया है. मुझे भी लग रहा है कि शायद वे गेम के लिए कर रहे हों, या फिर यह रियल भी हो सकता है. क्या पता तान्या को सच में अमाल पसंद आ गए हों. मैं खुद भी अब ऑडियंस बन गई हूं और आप लोगों की तरह जानने के लिए बेताब हूं कि अंदर क्या चल रहा है. अभी तो मैं कुछ पक्का नहीं कह सकती.हम सब बसीर को बहुत छेड़ते थे. लेकिन उसने नेहल के बारे में साफ किया था कि वे सिर्फ दोस्त हैं और उनके बीच कुछ नहीं हो सकता. फरहाना के बारे में उसने कहा था कि वह बस, फ्लर्टिंग के साथ उसे शांत करने की कोशिश कर रहा था।

'न्याय' में दिखेगी अनीत और फातिमा की धमाकेदार जोड़ी

फिल्मी दुनिया में हर कलाकार का असली सफर तब शुरू होता है, जब वह अपने पहले कामयाब किरदार के बाद कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करने का साहस दिखाता है। सैयारा से फ़ेम पाने वाली अनीत पड्डा इसी सफर पर निकल चुकी हैं। 22 साल की अनीत अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट 'न्याय' के साथ एक बिल्कुल अलग अवतार में दिखाई देने वाली हैं। इसमें उनके साथ फातिमा सना शेख के आने की भी खबर है। अनीत अपनी अगली फिल्म 'न्याय' की तैयारी में जुट चुकी हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक कोर्टरूम ड्रामा है, जिसका निर्देशन नित्या मेहरा कर रही हैं और इसमें उनके पति करण कापड़िया भी मदद कर रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि इस फिल्म में अनीत एक ऐसी सर्वाइवर का किरदार निभा रही हैं, जो एक शक्तिशाली आध्यात्मिक गुरु के खिलाफ अदालत में खड़ी होती है। न्याय में अनीत के साथ फातिमा सना शेख, अर्जुन माथुर, मोहम्मद जीशान अयूब, रघुबीर यादव और राजेश शर्मा जैसे एक्टर भी नर्ज आएंगे। ऐसे एक्टर्स के बीच काम करना किसी भी नए चेहरे के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन अनीत के लिए यह सीखने और खुद को साबित करने का बेहतरीन मौका है।अनीत का किरदार एक ऐसी युवती का है, जो अन्याय और शोषण के खिलाफ आवाज उठाती है। कोर्टरूम ड्रामा होने के कारण फिल्म का केंद्रबिंदु न्याय, साहस और सत्ता के असंतुलन जैसे गहरे मुद्दों पर टिका है। अनीत के हिस्से में जो भूमिका आई है, उसमें दर्शक एक नया रूप देखेंगे, एक संवेदनशील, लेकिन मजबूत महिला का, जो अपने अधिकारों और सम्मान के लिए लड़ती है नित्या मेहरा अपने संवेदनशील निर्देशन के लिए जानी जाती हैं। उनकी पिछली वेबसीरीज Big Girls DonÓt Cry में भी अनीत ने काम किया था और अब न्याय卐 इनके साथ का दूसरा प्रोजेक्ट है। यह फिल्म न सिर्फ मनोरंजन देगी, बल्कि समाज से जुड़े गंभीर सवाल भी उठाएगी।यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी सैयारा नेटफ्लिक्स पर भी टॉप टेन में रही, जिससे साफ हो गया कि दर्शकों ने इस नए चेहरे को खुले दिल से स्वीकार किया है। इसमें जहां उन्होंने एक रोमांटिक किरदार से दर्शकों का दिल जीता थ।

वाह बधाइयां!

वरुण चक्रवर्ती बने आईसीसी टी-20 रैंकिंग में नंबर वन

ऑपरेशन सिंदूर का मजाक बनाने वाले का किया था शिकार

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम जहां एशिया कप 2025 में सीना ताने आगे बढ़ रही है और यूएई के बाद पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर किया तो दूसरी ओर, उसके मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को रिटर्न गिफ्ट मिल गया है। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर का मजाक उड़ाने वाले फहीम अशरफ का शिकार बरने वाला भारतीय गेंदबाज आईसीसी रैंकिंग में नंबर वन गेंदबाज बन गया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी को पीछे छोड़ा है। लिस्ट में टॉप-10 गेंदबाजों में भारत के रवि बिश्नोई भी हैं, जो 8वें नंबर पर हैं। लेटेस्ट रैंकिंग के अनुसार, कोलकाता नाइटराइडर्स के गेंदबाज के पास 733 रेटिंग पॉइंट है और वह पहली बार नंबर वन गेंदबाज बने हैं। दूसरे नंबर पर काबिज जैकब डफी के 717 रेटिंग पॉइंट हैं। वेस्टइंडीज के तीसरे नंबर वन अकील हुसैन, जबकि चौथे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद 5वें नंबर पर हैं और श्रीलंकाई नुवान तुषारा छठे नंबर पर हैं। लिस्ट में आखिरी नंबर यानी 10वें नंबर पर अफगानिस्तान के करिश्माई स्पिनर राशिद खान हैं। आईसीसी टी20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग की टॉप-10 लिस्ट में कोई भी पाकिस्तानी गेंदबाज नहीं है। सुफियान मुकीम का नंबर 11वां है, जबकि भारत के अक्षर पटेल 12वें नंबर पर हैं। इस बीच भारतीय टीम को एशिया कप के आखिरी लीग मैच में 19 सितंबर को ओमान से भिड़ना है।

पुरुषों की आईसीसी टी20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग

रैंक	खिलाड़ी	टीम	रेटिंग पॉइंट	करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग
1	वरुण चक्रवर्ती	भारत	733	733 बनाम पाकिस्तान, दुबई 2025
2	जैकब डफी	न्यूजीलैंड	717	750 बनाम दक्षिण अफ्रीका, हरारे 2025
3	अकील हुसैन	वेस्टइंडीज	707	714 बनाम बांग्लादेश, सेंट विंसेंट 2024
4	एडम जम्पा	ऑस्ट्रेलिया	700	746 बनाम श्रीलंका, सिडनी 2022
5	आदिल राशिद	इंग्लैंड	696	747 बनाम वेस्टइंडीज, बारबाडोस 2022
6	नुवान तुषारा	श्रीलंका	677	689 बनाम बांग्लादेश, अबू धाबी 2025
7	वानिंदु हसरंगा	श्रीलंका	664	809 बनाम वेस्ट इंडीज, अबू धाबी 2021
8	रवि बिश्नोई	भारत	661	707 बनाम ऑस्ट्रेलिया, बेंगलुरु 2023
9	नाथन एलिस	ऑस्ट्रेलिया	658	664 बनाम वेस्टइंडीज, सेंट किट्स 2025
10	राशिद खान	अफगानिस्तान	657	828 बनाम बांग्लादेश, देहरादून 2018

China Masters:

सात्विक और चिराग चाइना मास्टर्स के अंतिम 16 में

लक्ष्य हारकर टूर्नामेंट से बाहर

शेनजेन, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई, जबकि लक्ष्य सेन पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। पिछले सप्ताह हॉन्गकॉन्ग ओपन में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 42 मिनट में 24-22, 21-13 से हराया। वहीं, हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। इसके साथ ही पुरूष एकल वर्ग में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई चूंकि आयुष शेट्टी पहले ही दौर में हार गए थे। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी मिश्रित युगल में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से 19-21, 13-21 से हार गई। महिला एकल में पी वी सिंधू प्री क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी।

यूईएफए सीएलः

कार्वाजाल की इस शर्मनाक हरकत के बावजूद मार्सिले के खिलाफ जीता रियल मैड्रिड

किलियन एम्बाप्पे बने हीरो

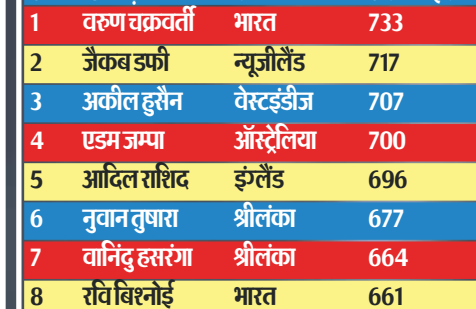

मैड्रिड, एजेंसी। मैच में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रियल मैड्रिड ने मार्सिले को 2-1 से हराया। चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मैच में रियल मैड्रिड के अनुभवी डिफेंडर दानी कार्वाजल को मार्सिले के गोलकीपर गेरोनिमो रूली को सिर से टक्कर मारने के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

कार्वाजाल को मिला रेड कार्ड

मैच के दौरान, मैड्रिड की कॉर्नर किक से पहले कार्वाजल और रूली के बीच बहस हो रही थी। तभी कार्वाजल गोलकीपर के पास गए और उनके चेहरे पर सिर दे मारा। रेफरी ने यह घटना मौके पर नहीं देखी, लेकिन मार्सिले के खिलाड़ियों ने तुरंत आपत्ति दर्ज कराई। वीडियो रिव्यू के बाद, रेफरी ने 72वें मिनट में कार्वाजल को लाल कार्ड दिखाया। उस समय कार्वाजल ने चोटिल ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड की जगह पांचवें मिनट में मैच में प्रवेश किया था। घटना के समय स्कोर 1-1 था।

एम्बाप्पे के दो गोल से मैड्रिड जीता

मैच में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रियल मैड्रिड ने मार्सिले को 2-1 से हराया। मार्सिले की ओर से टिमोथी वीह ने शुरुआती बढ़त दिलाई थी, लेकिन एम्बाप्पे ने 29वें और 81वें मिनट में पेनल्टी गोल कर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ, रियल मैड्रिड 15 बार के चैंपियन के रूप में 1990 के दशक में प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने के बाद 200 जीत तक पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। एमबाप्पे ने अब 64 मैचों में 50 गोल कर लिए हैं।

एशिया कपः

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराया

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 में मंगलवार को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराकर टूर्नामेंट में खुद को जिंदा रखा है।

अफगानिस्तान को जीत के लिए 155 रन का लक्ष्य मिला था। अफगान टीम 20 ओवर में 146 रन पर सिमट गई और 8 रन से मैच हार गई। अफगानिस्तान के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल शून्य और इब्राहिम जादरान 5 रन बनाकर आउट हुए। दोनों की असफलता अफगानिस्तान टीम की हार का कारण बनी। विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 35 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अजमतुल्लाह उमरजई ने 30 और कप्तान राशिद खान ने 20 रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बांग्लादेश के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। नासुम अहमद, तस्कीन अहमद और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट लिए।

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 5 विकेट पर 154 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाजों सैफ हसन और तंजीद हसन ने मजबूत शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 6.4 ओवर में 63 रन जोड़े। सैफ हसन 28 गेंद पर 30 रन बनाकर आउट हुए। तंजीद हसन ने 31 गेंद पर 3 छक्के और 4 चौके की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान लिटन दास 11 गेंद पर 9, शमीम हुसैन 11 गेंद पर 11 और तौहीद हृदोय 20 गेंद पर 26 रन बनाकर आउट हुए। जाकेर अली और नुरूल हसन ने नाबाद 12-12 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए कप्तान राशिद खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए। नूर अहमद ने भी 4 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए। उमजरई ने 1 विकेट लिए।

सीपीएल 2025:

3 चौके और 8 छक्के...

सीपीएल में आया निकोलस पूरन का तूफान, नाइट राइडर्स ने एलिमिनेटर जीता

गुयाना, एजेंसी। त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 के क्वालीफायर-2 मुकाबले में अपनी जगह बना ली है। इस टीम ने बुधवार को एलिमिनेटर मैच में एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कंस ने 8 विकेट खोकर 166 रन बनाए। आमिर जांगू और रहकीम कॉर्नवाल के बीच पहले विकेट के लिए 21 रन की साझेदारी हुई। कॉर्नवाल महज 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद आमिर जांगू ने एंड्रीस गौस के साथ दूसरे विकेट के लिए 108 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी। आमिर 49 गेंदों में तीन छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। टीम के लिए एंड्रीस गौस ने 45 गेंदों में सर्वाधिक 61 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 5 चौके शामिल थे, जबकि शाकिब ने 9 गेंदों में नाबाद 26 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से सौरभ नेत्रवलकर ने सर्वाधिक 3 शिकार किए, जबकि उस्मान तारिक और आंद्रे रसेल को 2-2 सफलताएं हाथ लगीं।

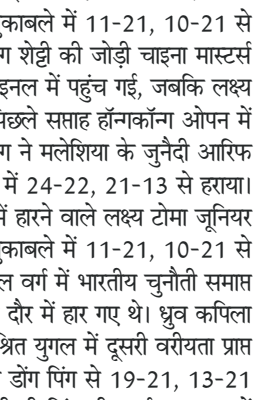

पाकिस्तान ने एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस ली, पाइक्रॉफ्ट मामले में आईसीसी से फिर लगाई गुहार

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान ने एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस ले ली है लेकिन मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को लेकर उसका ऐतराज बरकरार है और पीसीबी ने टीम के बाकी मैचों में जिम्बाब्वे के इस मैच रैफरी की जगह रिची रिचर्डसन को जिम्मेदारी देने की मांग की है। समझा जाता है कि मंगलवार की देर शाम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को एक और ईमेल लिखकर पाइक्रॉफ्ट को उसके सारे मैचों से हटाने की मांग की है जिसे अभी तक आईसीसी ने माना नहीं है। पाइक्रॉफ्ट को पाकिस्तान और यूएई के बीच आज शाम को होने वाले मैच में भी रैफरिंग करनी है। विवाद की शुरूआत तब हुई जब कप्तान सूर्यकुमार यादव समेत भारतीय टीम ने रविवार को मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा मैच के बाद पुरस्कार समारोह में नहीं आए। पीसीबी ने इस विवाद के लिए पाइक्रॉफ्ट को दोषी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने सलमान से कहा कि सूर्यकुमार से हाथ नहीं मिलाए और दोनों कप्तानों को टीम शीट का आदान प्रदान भी नहीं करने दिया।

वनडे में संन्यास से वापसी के बाद ग्लेन मैक्सवेल ने खेली धमाकेदार पारी, सिर्फ इतनी गेंदों में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वनडे विश्व कप विजेता ग्लेन मैक्सवेल ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत से हार के बाद फिटनेस समस्याओं के कारण वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। विक्टोरिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप में वापसी करते हुए उन्होंने मार्नस लाबुशेन की क्वींसलैंड टीम के खिलाफ असफल रन चेज में 82 गेंदों में 107 रनों की शानदार पारी खेलकर ब्रिस्बेन के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दिलचस्प बात यह है कि विक्टोरिया के लिए अपने 15 साल के करियर में मैक्सवेल का लिस्ट ए (वन-डे) प्रारूप में यह पहला शतक है। 36 वर्षीय मैक्सवेल 311 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उस समय बल्लेबाजी करने आए जब विक्टोरिया का स्कोर 24 ओवर में 104/5 था। माइकल नेसर ने नई गेंद से खूब धमाल मचाया, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस हैरिस को शून्य पर और हैरी डिक्सन को दहाई के स्कोर पर आउट किया। थॉमस रोजर्स ने 23 रन बनाए जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब 73 गेंदों पर 55 रन बनाकर आउट हुए।

रन चेज में मैक्सवेल का अकेले दम पर प्रयास - 34वें ओवर में विक्टोरिया का स्कोर 164/7 था। मैक्सवेल ने अगले ओवर में दो छक्के लगाकर 37 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने आसानी से बाउंड्री लगाई। जैसे-जैसे स्लॉग ओवर नजदीक आए, उन्होंने तेजी पकड़ी। 43वें ओवर में उन्होंने गुरिंदर संधू पर दो छक्के लगाकर 73 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। 46वें ओवर में मैक्सवेल का धैर्य भी जवाब दे गया क्योंकि आवश्यक रन रेट उनके हाथ से निकल गया। टॉम स्ट्रैकर ने उनका कैच लिया। मैक्सवेल ने 82 गेंदों में 107 रनों की पारी में 8 चौके और 7 छक्के लगाए। विक्टोरिया 46.2 ओवर में 255 रन पर आउट हो गई और 55 रनों से मैच हार गई।

मैक्सवेल एक और वनडे मैच खेलेंगे - मैक्सवेल मौजूदा डीन जोन्स ट्रॉफी 2025 में विक्टोरिया के लिए एक और मैच खेलने के लिए उपलब्ध हैं। विक्टोरिया का अगला मैच 19 सितंबर को तस्मानिया के खिलाफ है। इसके बाद वह 1 अक्टूबर से शुरू होने वाली टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड रवाना होंगे।

पाकिस्तान ने मोहम्मद यूसुफ का करियर किया था तबाह, डर्टी गेम में शाहिद अफरीदी-शोएब मलिक थे क्राइम पार्टनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान पर अपनी बदजुबानी से सुर्खियों में आया पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ का विवादों का लंबा इतिहास रहा है। इतिहास के गर्त में जाएंगे तो पता चलेगा कि यूसुफ पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक के साथ मिलकर टीम में गुटबाजी किया करता था। यही वजह है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सफल बल्लेबाज होने के बावजूद मोहम्मद यूसुफ का करियर बर्बाद करने से पीछे नहीं हटा। यूसुफ का करियर 35 साल की उम्र में ही खत्म हो गया था।

2010 ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद पाकिस्तान ने यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ, शोएब मलिक, शाहिद अफरीदी को दी थी सजा - दरअसल, 2010 में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी। इस दौरे पर यहां से शर्मसार होना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा था। पाकिस्तान के लिए कप्तानी कर रहे मोहम्मद यूसुफ सहित सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन शर्मनाक था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हरकत में आ गया था। उसने कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजर से इनपुट लेने के बाद यूसुफ पर लाइफ टाइम का बैन लगाया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व कप्तानों यूनिस खान और मोहम्मद यूसुफ पर देश के लिए खेलने पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था, जबकि शोएब मलिक, राणा नावेद-उल-हसन पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जांच के बाद लिया था फैसला - ऑस्ट्रेलिया में मिली हार के बाद जांच समिति की सिफारिशों के अनुसार, अकमल बंधुओं (कामरान और उमर) और शाहिद अफरीदी पर दौरे में अनुशासनहीनता के लिए 20-30 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के अलावा 6 महीने के लिए प्रोबेशन पर डाल दिया गया था। इससे दो सबसे अनुभवी बल्लेबाजों यूनिस (32) और यूसुफ (35) के अंतरराष्ट्रीय करियर का करियर लगभग खत्म ही हो गया था। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान टीम को वनडे में 5-0, टेस्ट में 3-0 और इकलौता टी20 इंटरनेशनल मैच अपने नाम किया था। इस पूरे दौरे पर टेस्ट कप्तान यूसुफ, शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक का टीम में व्यवहार सुर्खियों में रहा था।

अगर लिवरपूल में पदक नहीं मिलता तो फिर कोशिश नहीं करती: पूजा रानी

नयी दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने सोच लिया था कि अगर विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में चौथी बार खेलते हुए वह पदक नहीं जीत पाती तो दोबारा कोशिश नहीं करेंगी । लेकिन भिवानी की 34 वर्षीय इस मुक्केबाज को लिवरपूल में 80 किलो वर्ग में पोडियम पर खड़े होने का मौका मिला। तोक्यो ओलंपिक खेल चुकी पूजा ने कहा, इस बार भी मैने खुद से कहा था कि अगर नहीं जीती तो दोबारा नहीं खेलूंगी।

उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा अपना शत प्रतिशत देती हूं लिहाजा हारने पर दिल टूट जाता है । मैने पिछले चार पांच महीने से कड़ा अभ्यास किया था और मुझे खुशी है कि मेहनत रंग लाई। मैं मार्च में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से ही अभ्यास कर रही हूं। चार बार एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीत चुकी पूजा सेमीफाइनल में इंग्लैंड की एमिली एस्कीथ से हार गई लेकिन कांस्य पदक जीता। इस पर उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं ।

फटाफट खबरें

दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन ने एक शख्स को कुचला, हुई मौत

नई दिल्ली : दिल्ली के थाना मंदिर मार्ग इलाके में दिल्ली पुलिस की एक पीसीआर वैन का सड़क हादसा हुआ है। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन के ड्राइवर ने गलती से एक्सीलेटर दबा दिया, जिससे सड़क किनारे रैंप पर चढ़ते समय पीसीआर वैन एक व्यक्ति को कुचल गई, जिसकी मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस मौके पर है और जानकारी जुटा रही है। दोनों पुलिस अधिकारियों, एएसआई और एक कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। एफआईआर दर्ज की जा रही है। दोनों पुलिसकर्मियों का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा।

40 टीमों ने दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा के कुख्यात अपराधियों के ठिकानों पर की छापेमारी

दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में कुख्यात आपराधिक गिरोहों के सदस्यों और सहयोगियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर दिल्ली पुलिस ने छापेमारी की। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस की लगभग 40 टीमों ने टिल्लू ताजपुरिया गिरोह, नीरज बवाना-राजेश बवाना गिरोह, जितेंद्र उर्फ गोगी गिरोह और काला जठेरी गिरोह के कई ठिकानों पर छापा मारा। पुलिस ने कई जगहों से भारी मात्रा में नकदी और कई हथियार बरामद किए हैं और कई एफआईआर दर्ज की गई हैं।

550 पुलिसकर्मियों ने टीमें बनाकर की छापेमारी

जानकारी के मुताबिक, 550 पुलिसकर्मियों ने 30-40 टीमें बनाकर गैंगस्टरों के सहयोगियों और फाइनेंसर के ठिकानों पर छापेमारी की है। कई लोगों को हिरासत में लिया गया है, इसमें कितने गिरफ्तार हुए हैं, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

फर्जी आईडी से कंपनी के 26 लाख के शेयर किए ट्रांसफर

गाजियाबाद। औद्योगिक क्षेत्र स्थित बटीक हाउस निर्यातक कंपनी के मालिक ने साइबर ठगों के खिलाफ कविनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उनकी कंपनी के फर्जी दस्तावेज और लॉगिन पासवर्ड का प्रयोग कर साइबर ठगों ने 26 लाख रुपये की कीमत के शेयर ट्रांसफर कर लिए। कविनगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि उद्योग कुंज निवासी अभय कुमार के अनुसार यूपीएसआईडीसी क्षेत्र में उनकी बटीक हाउस नाम से निर्यातक कंपनी है। निर्यातक कंपनी को सरकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभ दिया जाता है। जबकि उन्हें इस बाबत जानकारी नहीं थी। जानकारी होने पर उन्होंने 2024 में कंपनी के आइसगेट पोर्टल पर लॉगिन किया। पता चला कि उनकी कंपनी के पोर्टल का लॉगिन और पासवर्ड प्रयोग हो रहा है। उन्होंने छानबीन की तो पता चला कि कंपनी के 26 लाख रुपये के शेयर भी अन्य कंपनी को ट्रांसफर किए गए हैं। इसकी शिकायत उन्होंने दिल्ली स्थित आइसगेट पोर्टल के मुख्यालय में की। पीड़ित ने साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दुकानदार से पांच हजार चौथ मांगी, विरोध करने पर पीटा

गुरुग्राम। खेड़कीदौला थाना अंतर्गत कांकरौला गांव में सोमवार की शाम एक दुकानदार से तीन युवकों ने पांच हजार रुपये चौथ मांगते हुए मारपीट की। विरोध करने पर युवकों ने गल्ले से तीन हजार रुपये निकाल लिए। युवकों ने दुकानदार को दो हजार रुपये भिजवाने की बात कहते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। मारपीट की वारदात दुकान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित दुकानदार ने मारपीट व चौथ मांगने की खेड़कीदौला थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस को दी शिकायत में दुकानदार राजू कुमार ने बताया कि वह खोह गांव का रहने वाला है और कांकरौला में परचून की दुकान चलाता है। सोमवार की शाम करीब 5:30 बजे काका उर्फ प्रेम, प्रवीण उर्फ पन्ना व एक अन्य युवक उसकी दुकान पर जबरदस्ती घुस आए और उसके साथ मारपीट करने लगे। इसके साथ ही वे युवक पांच हजार रुपये मांगने लगे। दुकानदार से मारपीट करने के दौरान ही युवकों ने गल्ले से तीन हजार रुपये निकाल लिए थे। राजू कुमार ने पुलिस को बताया कि आरोपी उनसे दुकान चलाने के बदले हर माह पांच हजार रुपये की चौथ देने की मांग कर रहे हैं। राजू कुमार ने आरोप लगाया है कि आरोपी पहले भी उसकी दुकान से सामान जबरदस्ती ले गए थे और रुपये देने से इंकार कर दिया था।मारपीट की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

विशेष अभियान चलाकर 4012 वाहनों के काटे चालान

गुरुग्राम। हाईवे और एक्सप्रेसवे पर लेन ड्राइविंग नियम तोड़ने वालों के साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने और प्रेशर हॉर्न प्रयोग करने वाले 4012 वाहन चालकों के चालान काटे गए। पांच सितंबर से 14 सितंबर तक विशेष अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने कार्रवाई की है। लेन बदलने पर 2855 चालान, साइलेंसर नॉन फंक्शनल के 46 चालान, अनाधिकृत सायरन व प्रेशर हॉर्न के 154 चालान और शराब पीकर वाहन चलाने पर 957 चालान काटे गए। काफी चालक हाईवे व एक्सप्रेसवे पर गलत लेन में अपने वाहनों को चलाते हैं। इनमें डंपर, ट्रक व हाइड्रा आदि शामिल हैं। इससे हाईवे पर चल रहे अन्य वाहनों के साथ टक्कर होने का खतरा बना रहता है। इसके साथ ही बुलेट बाइक में पटाखे से तेज आवाज करते हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात मुख्यालय/हाईवे) सत्यपाल यादव ने बताया कि विशेष अभियान चलाकर यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वाहन चालकों व नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम और कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं।

बाढ़ के बाद दिल्ली के मच्छर कहीं नोएडा वासियों को न मार दें डंक, प्राधिकरण का पोटली बम से हमला

नोएडा : दिल्ली में बाढ़ के बाद ठहरे पानी में डेंगू का लार्वा पनपने का डर है। इससे नोएडा वासियों को दिक्कत न हो, इसके लिए प्राधिकरण ने बुधवार को दिल्ली से सटे इलाकों में विशेष अभियान शुरू किया। इसके तहत वह पोटली बम फेंकवा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य विभाग ने आशंका जताई है कि दिल्ली के अक्षरधाम, मयूर विहार की तरफ बाढ़ का जो साफ पानी भरा है उसमें डेंगू का लार्वा पनप सकता है। शहर में भी जगह-जगह बारिश का पानी भरा है। इस पानी में मच्छर का लार्वा पनपने से रोकने के लिए प्राधिकरण पोटली बनवाकर फेंकवा रहा है। इन पोटली को प्राधिकरण के कर्मचारी पोटली बम कह रहे हैं। इसके साथ ही न्यू अशोक नगर से मयूर विहार तक में प्राधिकरण एंटी लार्वा का छिड़काव भी करवा रहा है।

क्या है पोटली में

पोटलियों में बालू व मिट्टी में पाइरिप्रोक्सीफेन 0.50 कीटनाशक पाउडर मिलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इस पोटली भरे पानी की सतह पर किसी भी कीट का लार्वा नहीं पनपता है। इसलिए पोटलियां तैयार कर जगह-जगह पानी में डलवाई जा रही हैं। बुधवार को टीम दिल्ली के लिए अलग से लगाई गई।

12 टीमें कर रहीं एंटी लार्वा का छिड़काव

12 टीमें पूरे शहर में एंटी लार्वा छिड़काव के लिए लगाई गई हैं। अब तक शहर में डेंगू के मरीज 271 से ज्यादा सामने आ चुके हैं। 2024 में 500 मरीज मिले थे। 2023 में डेंगू मरीजों का आंकड़ा 950 तक पहुंच गया था।

जिले में डेंगू के 13 मरीज मिले

जिले में बुधवार को डेंगू के 13 नए मामले सामने आए लेकिन इनमें से पांच के पता गलत निकला। दो मरीजों ने फोन पर सही पता बताया जबकि तीन ने फोन नहीं उठाया।

इससे मलेरिया विभाग की टीम उनके घरों तक नहीं पहुंच पाई और जरूरी एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव नहीं हो सका। इस साल अब तक 284 डेंगू मरीज मिल चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इन सभी मरीजों की जांच नोएडा के जिला अस्पताल में की गई थी।

जैसे ही मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई वैसे ही विभाग की टीम मरीजों के पते पर पहुंची। इस दौरान पता चला कि पांच मरीजों का पता गलत है। हालांकि इनमें से दो मरीजों ने फोन पर सही पता बताया। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि तीन मरीजों से संपर्क नहीं हो पाया है।

टीम लगातार प्रयास कर रही है कि किसी तरह उनसे संपर्क हो सके ताकि दवा का छिड़काव और निगरानी की जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि यदि डेंगू की जांच करवा रहे हैं तो अस्पताल में अपना सही पता और फोन नंबर जरूर दर्ज कराएं।

ग्रेटर नोएडाः चलती बस में लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कस्बे में गुरुवार तड़के एक चलती बस में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। मौके की नजाकत को भांपते हुए बस चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि बस में उस समय कोई अन्य सवार मौजूद नहीं था। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस के मुताबिक बस निजी कंपनी का स्टाफ लेने के लिए जा रही थी। अचानक आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

फायर विभाग ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। जांच में पता चला है कि घटना के समय चालक के अलावा कोई अन्य सवार बस में नहीं था। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। आशंका है कि तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट से आग लगी है।

न्यू गुरुग्राम की स्ट्रीट लाइटों पर कमांड सेंटर से रहेगी नजर

- जीएमडीए की स्ट्रीट लाइटें तकनीकी रूप से काफी मॉडर्न हैं। टाइमर लगा होने से एक-एक लाइट को कंट्रोल किया जा सकेगा। चोरी और खराब होने की भी सूचना कमांड सेंटर को मिल सकेगी। अब स्ट्रीट लाइटों को आईसीसीसी से इंटीग्रेट करने के लिए हर पोल को एक यूनिट नंबर दिया गया है।

गुरुग्राम। न्यू गुरुग्राम की आठ मास्टर डिवाइडिंग सड़कों पर लगीं स्मार्ट और कनेक्टेड स्ट्रीट लाइटों के खंभों को यूनिट नंबर देने के बाद उन्हें इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) से जोड़ा जा रहा है। इससे कमांड सेंटर से लाइटों के जलने और बुझने पर नजर रखी जा सकेगी। 835 लाइटों को कमांड सेंटर से नियंत्रित किया जा सकेगा।

गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने साइबर सिटी के नए सेक्टरों में आधुनिक तकनीक से लैस स्ट्रीट लाइटों को लगाया है। पहले चरण में जीएमडीए ने सेक्टर 76-77, 75-75ए, 70-75, 70-70ए, 68-70 ए, 71-73 व 68-69 को विभाजित करने वाली मास्टर सड़कों के अलावा 76 आउटर रोड पर 835 स्मार्ट और कनेक्टेड स्ट्रीट लाइटें लगाई हैं। ये सड़कें एलईडी लाइटों से जगमग हैं। जीएमडीए की स्ट्रीट लाइटें तकनीकी रूप से काफी मॉडर्न हैं। टाइमर लगा होने से एक-एक लाइट को कंट्रोल किया जा सकेगा। चोरी और खराब होने की भी सूचना कमांड सेंटर को मिल सकेगी। अब स्ट्रीट लाइटों को आईसीसीसी से इंटीग्रेट करने के लिए हर पोल को एक यूनिट नंबर दिया गया है। इसी नंबर को कमांड सेंटर के कंप्यूटरों में फीड किया जा रहा है। ये लाइटें रात में कम ट्रैफिक के दौरान खुद डिमिंग को सक्षम करेंगी। जीएमडीए की इलेक्ट्रिकल विंग के अनुसार पोल पर लगे नंबर से कमांड सेंटर से स्ट्रीट लाइट के बारे में जानकारी मिल सकेगी। कंपनी ने कुछ पोल पर लगे नंबरों का कमांड सेंटर में लाइव प्रदर्शन किया है। यदि लाइट खराब है तो स्क्रीन पर इसकी जानकारी मिल जाएगी। कंपनी से सभी पोल को इंटीग्रेट करने का काम जल्द पूरा करने को कहा गया है। जीएमडीए के अनुसार स्मार्ट और कनेक्टेड स्ट्रीट लाइटों को क्लाउड-आधारित एप्लिकेशन से माइक्रो-मैनेज और नियंत्रित किया जा सकेगा। दूसरे चरण में सात प्रमुख डिवाइडिंग सड़कों पर एलईडी स्ट्रीट लाइटों का काम अंतिम चरण में है। 11.50 किलोमीटर सड़कों पर 770 लाइटें लगाई जाएंगी। इसमें सेक्टर 71-72, सेक्टर 73-74, सेक्टर 75ए-76, सेक्टर 78-79 (डिवाइडिंग 78/79, 78/79ए) की डिवाइडिंग मास्टर सड़क समेत अन्य शामिल हैं। इन पोल पर भी इसी प्रकार नंबरिंग की जाएगी।

विदेशी मुद्रा के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। विदेशी मुद्रा के माध्यम से धोखाधड़ी करने के मामले में अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कौसर ने लोगों को ठगने के लिए तीन लोगों को काम पर रखा था।

थाना सराय ख्वाजा में पाखल निवासी प्रमोद ने दी शिकायत में आरोप लगाया कि 8 अगस्त 2024 को नीलम चौक स्थित इंडिया बैंक के बाहर उसकी मुलाकात सुमित नाम के लड़के से हुई थी। जिसने उनसे 50 दिरहम (यूएई की मुद्रा) के बदले रुपये मांगे। जिस पर शिकायतकर्ता ने 50 दिरहम के बदले 1000 रुपये सुमित को दे दिए और एक दूसरे के फोन नंबर ले लिए। अगले दिन उसके पास सुमित का कॉल आया और उसने कहा कि किसी रिश्तेदार के हॉस्पिटल का बिल भरना है। जिसके लिए उसे पैसों की जरूरत है और उसने 7200 दिरहम के बदले रुपये देने को कहा। जिस पर शिकायतकर्ता ने डेढ़ लाख रुपये सुमित को दिए। जब घर जाकर उसने देखा तो पाया कि सारी मुद्रा नकली थी। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने कार्रवाई करते हुए कौसर (40) निवासी सेहतपुर गली नंबर 1 फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी कौसर के रिश्तेदार ने उसको कुछ दिरहम दी थीं। कौसर ने लोगों को ठगने के लिए तीन लोगों को काम पर रखा हुआ था। जिनको समझाकर वह बैंक के सामने व भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में भेज देता था। जहां पर आरोपी लोगों को टारगेट करते थे। आरोपी की योजना के अनुसार ही शिकायतकर्ता के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया था। शिकायतकर्ता को पहले असली मुद्रा दी गई, बाद में 7200 दिरहम का एक बंडल पैक करके ऊपर नीचे असली मुद्रा लगा दी और बीच में कागज लगाकर शिकायतकर्ता को दे दिए। जिसके बदले में डेढ़ लाख रुपये ले लिए। मामले में पहले तीन आरोपी सलाम उर्फ सुमित, संगम व सोहिदीन को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी को अदालत में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

हत्यारोपी प्रेमी को एक दिन के रिमांड पर लिया

गुरुग्राम। आईएमटी मानेसर थाना क्षेत्र में कासन की ढाणी गांव में युवती की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या करने वाले आरोपी प्रेमी को पुलिस ने बुधवार को अदालत में पेश करके एक दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपी बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) के बैलोन गांव निवासी विवेक से वारदात के बारे में गहनता से पूछताछ की जाएगी। वहीं, वारदात के दौरान मौजूद एक अन्य युवक सचिन की संलिप्तता को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस पूछताछ में विवेक ने बताया था कि वह शालू (मृतका) से पिछले पांच साल से बातचीत कर रहा था। वह शालू से मिलने दिल्ली से गुरुग्राम आता रहता था। शालू द्वारा दूसरे लोगों से बात करने को लेकर उनके (विवेक व शालू) बीच झगड़ा चल रहा था। 14 सितंबर की रात को भी उन दोनों के बीच इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और उसने चुन्नी से गला घोंटकर शालू की हत्या कर दी।

जांच अधिकारी सुभाष ने बताया कि आरोपी विवेक को एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान मामले की गहनता से पूछताछ की जाएगी। रिमांड के दौरान आरोपी से मिली जानकारी व तथ्यों के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

एसआईटी करेगी कंपनी में 40.22 करोड़ की ठगी मामले की जांच

गुरुग्राम। मोबिक्विक कंपनी से 40.22 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में जांच और कार्रवाई के लिए पुलिस ने एसआईटी गठित कर दी है। मामले में सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर अपराध) प्रियांशु दीवान के नेतृत्व में साइबर अपराध पुलिस की टीम और सेक्टर-53 थाने की पुलिस जांच करेगी। साइबर पुलिस की टीम मामले में गहनता से जांच करेगी कि मोबिक्विक कंपनी में किस तरह से तकनीकी खराबी आई थी। इस वारदात में कंपनी के किसी कर्मचारी का हाथ था या फिर तकनीकी तौर पर ही खराबी आई थी।

बता दें कि डिजिटल भुगतान कंपनी मोबिक्विक वॉलेट में तकनीकी खराबी आने के बाद संदिग्ध लेन-देन के माध्यम से 40.22 करोड़ रुपये ट्रांसफर करके धोखाधड़ी की गई थी। मोबिक्विक कंपनी के कानूनी अधिकारी बालकिशन लाधानिया ने सेक्टर-53 थाने में शिकायत दी। पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें नूंह के रेवासन गांव निवासी रेहान, फिरोजपुर झिरका (नूंह) के कामेडा गांव निवासी वकार यूनुस, मोहम्मद आमिर व मोहम्मद अंसार, पलवल के हटेडा मौहल्ला निवासी मोहमद सकील, नूंह के मरोड़ा गांव निवासी वसीम अकरम शामिल हैं। पुलिस मामले में अन्य लोगों के संलिप्त होने की जांच कर रही है।

देशभर में 148.97 करोड़ की ठगी करने वाले 42 जालसाज पकड़े

गुरुग्राम। देशभर में 148.97 करोड़ रुपयों की साइबर ठगी करने वाले 42 आरोपियों को गुरुग्राम साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 13 मोबाइल, दो सिम कार्ड, 11.52 लाख रुपये, एक डेबिट कार्ड और चेक बरामद किया है। 13 मोबाइल की इंडियन साइबर क्राइम कोर्डिनेशन सेंटर से जांच कराने पर आरोपियों के खिलाफ देशभर में 16,883 शिकायतें और 535 मामले दर्ज होने का खुलासा हुआ है। आरोपियों के खिलाफ हरियाणा के विभिन्न जिलों में कुल 30 मामले दर्ज हैं। गुरुग्राम पुलिस की साइबर टीमों ने ये आरोपी अप्रैल से अगस्त के दौरान पकड़े थे।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के लिए मतदान जारी, 2 पालियों में वोटिंग; सुरक्षा कड़ी

- डूसू चुनाव में 21 उम्मीदवार मैदान में है। 52 पोलिंग स्टेशन बनाए गए है। शहीद भगत सिंह कॉलेज में छात्राओं के लिए पिंक बूथ बनाया गया है।

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव को लेकर मतदान की प्रक्रिया शुरू है। दो लाख 80 हजार छात्र-छात्राएं मतदान करेंगी। सुबह के कॉलेजों में सुबह साढ़े आठ बजे से मतदान शुरू होकर दोपहर एक बजे तक चलेगा। वहीं, सांध्य कॉलेजों में दोपहर तीन बजे से शुरू होगा और रात साढ़े सात बजे तक चलेगा। सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए है। नॉर्थ कैंपस में कई स्तर की बैरिकेडिंग की गई है। कॉलेज में आई कार्ड के बाद ही छात्रों को कॉलेज में प्रवेश दिया जा रहा है। डूसू चुनाव में 21 उम्मीदवार मैदान

में है। 52 पोलिंग स्टेशन बनाए गए है। शहीद भगत सिंह कॉलेज में छात्राओं के लिए पिंक बूथ बनाया गया है।

डूसू चुनाव के मद्देनजर नॉर्थ कैंपस, साउथ कैंपस सहित सभी कॉलेजों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है। छात्र मार्ग पर पुलिस मौजूद है। मतदान को लेकर मार्ग पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। बाहरी लोगों के प्रवेश पर कड़ी नजर रहेगी। मतगणना स्थल की सुरक्षा भी बढ़ाई गई है।

डूसू चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. राज किशोर शर्मा ने बताया कि 52 पोलिंग स्टेशन बनाए गए है। साथ ही 711 ईवीएम का इस्तेमाल किया जा रहा है। दिव्यांग छात्रों के लिए कॉलेजों को अलग से निर्देश दिए गए है। कॉलेज उनके लिए ग्राउंड फ्लोर पर मतदान केंद्र की व्यवस्था रखेगा ताकि उन्हें किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। मतगणना 19 सितंबर को यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब नौ बजे से शुरू हो जाएगी। छात्रों से अपील है कि वह चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के साथ सहयोग करें।

रामजस कॉलेज में 10 मिनट की देरी से चुनाव शुरू हुआ। दो मशीन खराब हो गई थी। फिर उन्हें तुरंत बदला गया। अभी मतदान ठीक से जारी है।

ठोस कचरे का होगा स्थायी समाधान, गृहमंत्री अमित शाह ने किया परियोजनाओं का शिलान्यास

नई दिल्ली : राजधानी की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक ठोस कचरे का स्थायी समाधान होगा। नरेला-बवाना में तीन हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाला वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और ओखला प्लांट में एक हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता के विस्तार के साथ दिल्ली में कचरे के निपटान व ऊर्जा उत्पादन दोनों में बड़ी उपलब्धि हासिल होने जा रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की ओर से बुधवार को दोनों परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।

नरेला-बवाना में प्रस्तावित प्लांट की क्षमता तीन हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन होगी जिसे दिसंबर-2027 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली में रोजाना लगभग 11,000 टन ठोस कचरा निकलता है। इस प्लांट के संचालन में आने से करीब 27 प्रतिशत कचरे को सीधे ऊर्जा उत्पादन में

बदला जा सकेगा। इससे भलस्वा, गाजीपुर और ओखला जैसी लैंडफिल साइटों पर दबाव घटेगा जहां फिलहाल कचरे के पहाड़ न केवल बदबू और जहरीली गैस फैला रहे हैं बल्कि जलभराव व मच्छरजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रहे हैं।

ओखला प्लांट का विस्तार

ओखला वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की क्षमता भी बढ़ाई जा रही है। वर्तमान में करीब दो हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाला यह प्लांट एक हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन की अतिरिक्त क्षमता के साथ करीब तीन हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन तक पहुंच जाएगा। परियोजना के लिए लगभग 15 एकड़ भूमि का उपयोग किया जाएगा। ओखला प्लांट के विस्तार से न केवल दक्षिणी दिल्ली बल्कि पूरे एनसीआर में कचरे का दबाव कम होगा। इस प्लांट से भी बड़ी मात्रा में ऊर्जा का उत्पादन होगा जिससे दिल्ली की बिजली जरूरतों को आंशिक सहारा मिलेगा।

छह हजार मीट्रिक टन कचरा निस्तारित होगा

नरेला-बवाना और ओखला प्लांट विस्तार को मिलाकर दिल्ली में लगभग छह हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन कचरे को वैज्ञानिक रूप से निस्तारित करने की क्षमता विकसित हो जाएगी।

विश्वास के बाजार में ठगी का कारोबार

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद स्थित एक कंपनी की ओर से करीब तीन करोड़ 60 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। एक कार्यक्रम में लोगों का विश्वास जीतने के लिए कंपनी के सीएमडी ने खुद दो करोड़ का चेक कंपनी के नाम पर दिया था। 24 लोगों का आरोप है कि कंपनी संचालकों ने महंगे उपहार, गुजरात की धौलेरा स्मार्ट सिटी में प्लॉट, स्कूटी आदि देने का झांसा दिया था। शिकायत करने वालों में कुछ ऐसे भी लोग है जिन्होंने पैसे बच्चों की शादी व पढ़ाई के लिए एकत्रित कर रखे थे, लेकिन लालच में आकर सभी पैसे जमा कर दिए। सभी पीड़ितों ने परेशान होकर इसकी शिकायत पुलिस कमिश्नर को दी। कमिश्नर के आदेश पर बीपीटीपी थाना पुलिस ने कंपनी के सीएमडी पुष्पेंद्र मौर्य, नीलम रानी मौर्य, डायरेक्टर सत्य प्रकाश मौर्य, चंद्रहास शर्मा और समीर राहने के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

फतेहाबाद निवासी नरेश कुमार, धर्मपाल सिंह, राजपाल, प्रवीन केशव, प्रवीन कुमार, हिसार निवासी सत्यवीर सोनी, रामनिवास, शैलेश वर्मा, हरदेश यादव, कमल यादव, जय सिंह, अभिषेक, सूरज, पानीपत निवासी विनय आदि ने शिकायत में बताया है कि प्रवीन कदम व प्रवीन मुजाल नामक व्यक्ति आठ जनवरी को हिसार पहुंचे। यहां समीर राहने ने अपने जानकारों को बुलाकर लोगों को एबीएमपीएल मल्टीट्रेड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के बारे में बताया। उसके बाद पीड़ितों को फरीदाबाद के सेक्टर-81 स्थित पुरी बिजनेस हब में बुलाकर कंपनी के वरिष्ठ पदाधिकारियों पुष्पेंद्र मौर्य आदि से मुलाकात करवाई। जहां पर कंपनी की योजना समझाकर कंपनी में पैसे निवेश करने को कहा गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साई प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)